सुविचार

आप हमेशा खुद से प्रश्न करिये कि मैं ऐसा क्यों हूं? सफलता आपके कदम चूमेगी।

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

प्रेरणास्त्रोत: आदरणीय डॉ कृपा राम पुनिया, पूर्व मंत्री एवं से.नि.आई.ए.एस.

मार्गदर्शक: आदरणीय डॉ आर. आर.फुलिया, पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार एवं से.नि.आई.ए.एस

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 सितंबर 2022 वर्ष : 5, अंक : 09 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट व मीडिया वेलफेयर कल्ब के संयुक तत्वाधान में आयोजित हुआ होनहार छात्रों का सम्मान समारोह

हार और जीत जिंदगी का एक हिस्सा, हार से निराश ना हों बच्चे : संदीप गर्ग

कहा : होनहार बच्चे कभी निराश नहीं होते बल्कि उनके अंदर आगे बढ़ने की भावना होती है, इसी भावना को बच्चों को अपनी जिंदगी में उतारना होगा और कामयाबी के रास्ते पर जाना होगा

सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट गजब हरियाणा समाचार पत्र की समाजसेवी व सहयोगी संस्था

छाया : राजरानी

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली । समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा है कि हार और जीत जिंदगी का एक हिस्सा है बच्चे हार से निराश ना हों बल्कि सीख लेते हुए आगे बढ़े और होनहार बने बच्चे होनहार बन कर जहां अपने स्कूल क्षेत्र और माता पिता का नाम रोशन करते हैं वहीं उनका उज्जवल भविष्य भी बनता है। होनहार बच्चे कभी निराश नहीं होते बल्कि उनके अंदर आगे बढ़ने की भावना होती है ।इसी भावना को बच्चों को अपनी जिंदगी में उतारना होगा और कामयाबी के रास्ते पर जाना होगा। वे गांव सिरसमा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सृष्टि चैरिटेबल एजुकेशनल ट्रस्ट व मीडिया वेलफेयर क्लब द्वारा परीक्षाओं मे प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान संबोधित कर रहे थे । कार्यक्रम से विधालय के प्रांगण में पूर्व त्रिवेणी के पौधे लगाए। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। उन्होंने छात्रों के साथ संवाद किया। बच्चों से ऐसे सवाल पूछे जिनका बच्चों ने तत्परता से उत्तर दिया । बल्कि बच्चों ने जवाब देकर संदीप गर्ग का मन जीत लिया। इतना ही नहीं संवाद के दौरान कई अवसरों पर संदीप गर्ग ने बच्चों से वे तमाम बातें शेयर की। उन्होंने बताया कि उन्होंने लोगों को भरपेट भोजन 5 रुपए में खिलाने के लिए लाडवा, बाबैन व यारी में रसोई खोली हुई है। 15 अगस्त से एक मेडिकल टैस्ट मोबाईल वैन का भी शुभारंभ किया गया जिसमें मात्र 50 रुपए में पूरे शरीर के टैस्ट किए जाते हैं। इससे पूर्व स्कूल में पहुंचने पर सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान जरनैल सिंह रंगा एवं मीडिया वेलफेयर क्लब के अध्यक्ष बाबूराम तुषार, रविंद्र कुमार,अरविंदर सिंह ,नरेंद्र धूमसी ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया।मच का संचालन मीडिया वेलफेयर क्लब के प्रधान अध्यक्ष बाबूराम तुषार ने किया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सृष्टि एजुकेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान जरनैल सिंह रंगा ने ट्रस्ट द्वारा चलाई जा रही समाजसेवा के कार्यों की जानकारी दी और कहा कि ट्रस्ट व क्लब का एकमात्र मुख्य उद्देश्य गरीब व जरूरतमंद की मदद करना है। उन्होंने बताया कि सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट गजब हरियाणा समाचार पत्र की समाजसेवी व सहयोगी संस्था है। जो हर वर्ष गजब हरियाणा समाचार पत्र के स्थापना दिवस(जून में) पर समाजसेवियों, उच्चाधिकारियों, लेखकों, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों,अपनी मेहनत के बलबूते व्यापार में अग्रणी पंक्ति में पहुंचे उधमी को प्रदेशस्तरीय सम्मान देकर सम्मानित करती है। जिनमे मुख्य सम्मान 'हरियाणा रत्न ', 'हरियाणा गौरव सम्मान', 'सामाजिक समरसता सम्मान', 'हरियाणा सेवा श्री सम्मान' यह सम्मान हर वर्ष सिर्फ एक व्यक्ति को एक प्रदान किया जाता है। इस दौरान पांचवीं, छठी ,सातवीं, आठवीं व नौवीं के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को समाजसेवी संदीप गर्ग ने डॉ अंबेडकर शिक्षा प्रगति सम्मान के मैडल पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में क्लब व ट्रस्ट द्वारा मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर वीरेंद्र राय, स्कूल के मुख्य अध्यापक राजवीर सिंह ,वन विभाग के डिप्टी रेंज ऑफिसर सतबीर कैत, सुखदेव सिंह प्रिंसिपल, राजिंद्र सिंह मुख्याध्याक (प्राथमिक), परगट सिंह, स्कूल के अध्यापक गण व ग्रामीण मौजूद रहे।

ट्रस्ट द्वारा गजब हरियाणा समाचार पत्र के स्थापना दिवस (जून में) पर ये सम्मान पात्र व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं

जिनमे मुख्य सम्मान 'हरियाणा रत्न ', 'हरियाणा गौरव सम्मान', 'सामाजिक समरसता सम्मान', 'हरियाणा सेवा श्री सम्मान' यह सम्मान पात्र व्यक्तियों को हर वर्ष सिर्फ एक व्यक्ति को एक ही सम्मान प्रदान किया जाता है।

इस छात्र-छात्राओं को मिला डॉ अंबेडकर शिक्षा प्रगति सम्मान

पांचवीं कक्षा से काजल व ध्रुव प्रथम, द्वितीय शिवानी व पुलकित, सूरज व गुजंन तृतीय। छटी कक्षा से वंशिका प्रथम,कलपना द्वितीय, तृतीय यशिका। सातवीं कक्षा से यश कुमार प्रथम,सरजीत द्वितीय, तृतीय चिराग। आठवीं कक्षा से कांति प्रथम,शिवानी द्वितीय, तृतीय रिहान। नौवीं कक्षा से अंकित प्रथम,मानसी द्वितीय, तृतीय स्मृति।दसवीं कक्षा में पायल प्रथम,अंजू द्वितीय, तृतीय राम को डॉ अंबेडकर शिक्षा प्रगति सम्मान के मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के प्रांगण में लगाई त्रिवेणी व छात्रों को किए पौधे वितरित

विद्यालय के प्रांगण में नीम, पीपल व बड़ (त्रिवेणी) के पौधे लगाए और छात्रों को तुलसी,जामुन,फूलों सहित 150 पौधे वितरित कर उनकी देखभाल के प्रति जागरूक किया।

खाद्य सुरक्षा दे रही मजबूती

उचित मूल्य की दुकान से सब्सिडी वाले अनाज खरीदने की योजना नरेन्द्र मोदी सरकार के मूल दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है। सार्वजनिक नीति इस तरह से तैयार की जाती है कि यह समाज के सबसे गरीब और वंचित समुदायों को लाभान्वित करे। यह दर्शन ही इस सरकार के आठ परिवर्तनकारी वर्षों के दौरान सभी नीतियों और उपलब्धियों की मूल भावना रही है।

लगभग 80 करोड़ भारतीयों को पूरे देश में किसी भी उचित मूल्य की दुकान से सब्सिडी वाले अनाज खरीदने की स्वतंत्रता है। यह सुविधा लोगों को खाद्य सुरक्षा देने के साथ अभूतपूर्व रूप से सशक्त भी बना रही है और ऐसा लगता है कि देश भर में एक मूक क्रांति चल रही है। यह मोदी सरकार के कल्याण और गरीब-समर्थक दृष्टिकोण को एक नई ऊंचाई पर ले जाती है और ऐसी प्रक्रियाओं की शुरुआत करती है, जिनका देश पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा, जो लोगों की परिकल्पना से भी अधिक होगा। उच्च प्रभाव वाली कल्याणकारी योजना नहीं है, जो कि वंचितों का समर्थन और पोषण करती है, बल्कि उचित मूल्य की दुकानों के बीच प्रतिस्पर्धा को भी जन्म देती है और एक आर्थिक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है। अब प्रवासी शहरों में भी सब्सिडी वाले अनाज खरीदने में सक्षम हैं और इस बचत का उपयोग अन्य उत्पादों की खरीद में कर सकते हैं।

भारत में, किसी खास सीजन के दौरान लगभग छह करोड़ लोग दूसरे राज्यों में और लगभग आठ करोड़ लोग अपने ही राज्य के अन्य हिस्सों में प्रवास करते हैं। ओएनओआरसी ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में प्रवासी श्रमिकों के लिए एक गेम चेंजर सिद्ध हुआ है। इससे पहले, जब ऐसे श्रमिक रोजगार के लिए शहरों में जाते थे, तो वे सब्सिडी अनाज पाने की अपनी पात्रता खो देते थे, क्योंकि उनकी यह सुविधा अपने निवास-स्थान के उचित मूल्य की दुकान से जुड़ी होती थी। यदि वे किसी शहर में उचित मूल्य की दुकान पर पंजीकृत होंगे, तो उनके परिवार को बाजार की ऊंची दरों पर अनाज खरीदना पड़ेगा!

ओएनओआरसी के साथ, श्रमिक और उनके परिवार दोनों को लाभ मिल सकता है। उनकी बचत बहुत अधिक है, क्योंकि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सब्सिडी वाले अनाज के अलावा, उन्हें प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत आपूर्ति भी निःशुल्क दी जा रही है। चूंकि योजना भारतीय श्रमिकों को आत्मनिर्भर बना रही है, इसलिए इसे अब आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत प्रधानमंत्री के प्रौद्योगिकी संचालित प्रणालीगत सुधारों का भी हिस्सा बनाया गया है। इस योजना के अन्य दूरगामी प्रभाव भी हैं। दशकों तक पड़ोस की राशन की दुकान का एकाधिकार रहा था। लाभार्थियों के पास एक विशेष उचित मूल्य की दुकान पर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। दुकान के मालिकों का एकछत्र राज होता था और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कोई प्रोत्साहन भी मौजूद नहीं था। ओएनओआरसी, न केवल प्रवासियों को, बल्कि प्रत्येक लाभार्थी को, किसी अन्य उचित मूल्य की दुकान से अनाज खरीदने का विकल्प देता है, यदि वह दुकानदार बेहतर गुणवत्ता वाले अनाज बेच रहा है, या बेहतर सेवा प्रदान कर रहा है।

एक विक्रेता की देश के सभी राज्यों में स्थित कुल 5 लाख से अधिक दुकानों से प्रतिस्पर्धा है। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है, क्योंकि यह दुकानदारों को गुणवत्ता के प्रति जागरूक होने और प्रतिस्पर्धी बनने के लिए प्रेरित करता है। लाखों उचित मूल्य की दुकानों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने से, देश के कारोबारी माहौल में समग्र रूप से सुधार होगा, जिससे देशवासियों को वस्तुओं और सेवाओं की बेहतर गुणवत्ता प्राप्त होगी। व्यापार करने के तरीकों में इस तरह के बदलाव से छोटे व्यवसायों को तेजी से विकास करने का मौका मिलेगा, लेकिन इसके लिए उन्हें गुणवत्ता में सुधार और निर्यात बाजार में प्रवेश करने की भी आवश्यकता होगी। इससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा। एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड ने पहले ही बहुत मजबूत शुरुआत कर दी है। शहरी गरीब जैसे कूड़ा बीनने वाले, सड़क पर रहने वाले, संगठित और असंगठित क्षेत्रों के अस्थायी कर्मचारी समेत करोड़ों श्रमिक व दिहाड़ी मजदूर तथा घरेलू कामगार इस अग्रणी योजना का लाभ उठा रहे हैं।

अगस्त, 2019 में इस योजना की शुरुआत के बाद से, मूल स्थान की बजाय अन्य स्थानों पर हुए 80 करोड़ लेनदेन दर्ज किए गए हैं। इनमें लाभार्थियों को नियमित होने वाले एनएफएसए और पीएमजीकेएवाई खाद्यान्न वितरण के साथ राज्य के अन्य हिस्सों में और दूसरे राज्यों के हुए लेनदेन दोनों शामिल हैं। इनमें अप्रैल 2020 के बाद से कोविड अवधि के दौरान दर्ज किये गए 69 करोड़ लेनदेन भी शामिल हैं। देश में डिजिटल इंडिया पर प्रधानमंत्री के जोर ने देश के क्षमता-विकास में योगदान दिया है। प्रौद्योगिकी की सहायता से महामारी की चरम स्थिति के दौरान देश न केवल घर से काम करने (वर्क-फ्रॉम-होम) के नियमों को सहजता से अपनाने में सफल रहा, बल्कि इससे गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन कराने में मदद मिली। वर्तमान में 100 प्रतिशत राशन कार्ड डिजिटल हो गए हैं। इसके अलावा, उचित मूल्य की दुकानों में लगभग 5.3 लाख (99 फीसदी) से अधिक इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल उपकरण स्थापित किए गए हैं। सरकार ने यह सुनिश्चित करने अतिरिक्त प्रयास किए हैं, ताकि लाभार्थी योजना का लाभ उठा पाएं। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अधिक लाभार्थियों को शामिल करने के उद्देश्य से 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रायोगिक आधार पर सामान्य पंजीकरण सुविधा शुरू की है।

इसके अलावा, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों ने इस योजना के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए रणनीतिक आउटरीच और संचार से जुड़े अपने प्रयासों को समन्वित किया है। सरकार ने 167 एफएम रेडियो और 91 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का उपयोग करके हिंदी व 10 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में एक रेडियो-आधारित अभियान चलाया। ट्रेनों में यात्रा करने वाले प्रवासी कामगारों को प्रधानमंत्री का संदेश देने 2400 रेलवे स्टेशनों पर घोषणाओं और प्रदर्शनों की व्यवस्था की गई। संदेश के व्यापक प्रसार के लिए सार्वजनिक बसों का भी उपयोग किया गया। यह योजना नरेन्द्र मोदी सरकार के मूल दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है। सार्वजनिक नीति इस तरह से तैयार की जाती है कि यह समाज के सबसे गरीब और वंचित समुदायों को लाभान्वित करे। यह दर्शन ही इस सरकार के आठ परिवर्तनकारी वर्षों के दौरान सभी नीतियों और उपलब्धियों की मूल भावना रही है।

शासन के इस दर्शन और दृष्टिकोण ने ही गरीब लोगों को बैंक खाते, सीधे नकद अंतरण, स्वास्थ्य बीमा, हर गांव में बिजली, दूरदराज के इलाकों में भी अच्छी गुणवत्ता वाली ग्रामीण सड़कों और गरीबों को रसोई गैस की आपूर्ति सहित अन्य सुविधाएं दी हैं। आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर, भारत तेजी से सभी के लिए विकल्पों की अधिक स्वतंत्रता की ओर आगे बढ़ रहा है। आइए हम उत्सव मनाएं और इस विकल्प सुविधा को सक्षम बनाएं। ताकि जो लोग आज भी विकास की धारा से पिछड़े हैं, उन्हें देश के साथ आगे बढ़ने का मौका मिल सके।

जरनैल रंगा

उपदेश शर्मा बने नंबरदार एसोसिएशन के जिला के कार्यकारी अध्यक्ष

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । हरियाणा नंबरदार एसोसिएशन के जिला भर के नंबरदारों की एक बैठक शनिवार को सर्किट हाउस में आयोजित हुई । बैठक की अध्यक्षता थानेसर तहसील के प्रधान रामस्वरूप भुटो ने की। बैठक में अनेक मुद्दों पर विचार किया गया । बैठक के दौरान बाबैन के नंबरदार उपदेश शर्मा को सर्व सहमति से 3 महीने के लिए जिला कार्यकारिणी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। तीन महीने के बाद नई कार्यकारिणी का गठन होगा। उपदेश शर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर एसोसिएशन के सदस्यों ने उन्हें फूलमालाएं पहना कर स्वागत किया। बैठक में जिले की सात तहसीलों में से पांच तहसीलों के नंबरदारों ने भाग लिया। बैठक में नंबरदार महिंद्र छिंदा, रणबीर खैरी, गुरप्रीत पिपली, ईशम सिंह, बाबू राम नंबरदार अजराना कलां, बनारसी दास, नरेश धंतौड़ी, श्याम लाल सिरसमा, रामपाल उमरी, सतबीर, ओमप्रकाश लुखी, रामकरण, रामपाल झिरबड़ी, बलिंद्र पाल, बलदेव सिंह, जरनैल सिंह, जगराम, पूर्ण सिंह, अमर ड्क्षसह, रविंद्र सिंह, सुदेश कुमार, रामशरण, चमन लाल, सुनील कुमार, कृष्ण लाल, माला राम, कृपाल सिंह धुराला आदि नंबरदार मौजूद रहे।

बीजेपी जेजीपी सरकार की नीतियों से आमजन त्रस्त : जवाहर लाल गोयल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । आप पार्टी के जिला चेयरमैन जवाहर लाल गोयल ने कहा है कि प्रदेश में बीजेपी जेजेपी सरकार की नीतियों से आम जन त्रस्त है। जनता के सामने एक मात्र विकल्प आम आदमी पार्टी है। आप पार्टी 2024 में सत्ता परिवर्तन के लिए मजबूत संगठन तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी को पूरे प्रदेश में भरपूर जनसमर्थन मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि कहा कि आम आदमी पार्टी का परिवार प्रदेश में लगातार बढ़ रहा है। बीजेपी के भ्रष्टाचार से ग्रस्त होकर बहुत लोग आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवारवाद करती है, बीजेपी मित्रवाद को बढ़ावा देती है। इसलिए दिल्ली मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतवाद का नारा दिया है। इससे प्रभावित हो कर आम आदमी पार्टी से बहुत लोग जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कहा कि मूलभूत सुविधाएं जनता को मुफ्त में देना आम आदमी पार्टी का उद्देश्य है। इससे ही देश और समाज तरक्की करेगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी लोगों को बेहतर शिक्षा व्यवस्था, बेहतर स्कूल, अच्छे अस्पताल देने के लिए लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पंजाबी टीचरों के पदों को समाप्त कर उन्हें

बेरोजगार किया जा रहा है। सरकार की मंशा है कि नौकरी करने वाले लोग बेरोजगार हों और देश में हालात बदतर हों। उन्होंने कहा कि आप पार्टी भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का डटकर विरोध करेगी।

तहसीलदार थानेसर ने रद्द किया ओबीसी जाति का प्रमाण पत्र

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । तहसीलदार थानेसर अजीत कलकल ने एक शिकायत के आधार पर गांव जालखेड़ी निवासी दीपक शर्मा का ओबीसी जाति का प्रमाण पत्र रद्द करने के आदेश पारित किए है। तहसीलदार थानेसर की तरफ से गांव जालखेड़ी निवासी दीपक शर्मा को पत्र जारी करते हुए कहा कि पटवारी हल्का से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी दीपक शर्मा ब्राह्मण जाति से सम्बन्ध रखता है, परंतु दीपक शर्मा ने तहसीलदार थानेसर के कर्मचारियों को गुमराह करके ओबीसी जाति का प्रमाण गलत जारी करवाया है। इसलिए जांच पड़ताल के बाद दीपक शर्मा का ओबीसी जाति प्रमाण पत्र रद्द किया जाता है।

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें । किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की 'गजब हरियाणा' समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। 'गजब हरियाणा' समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

पत्रकारों को लिखने की हिम्मत प्रदान करना सरकार और समाज की जिम्मेदारी : राज्यवर्धन

गजब हरियाणा न्यूज

जयपुर । सच और सटीक लिखने वाले पत्रकारों के सामने सुरक्षा को लेकर चुनौतियां है, पत्रकारों को लिखने की हिम्मत प्रदान करना सरकार और समाज की जिम्मेदारी है।

यह बात पूर्व केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री और जयपुर ग्रामीण के सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सोमवार को जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान 'जार'के ग्रीनफ़ील्ड रिसोर्ट ताला जयपुर में आयोजित प्रदेश अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि सही ताकतों को एक साथ आना जरूरी है। पत्रकार का पेशा साधारण पेशा नहीं है। जनता की भावनाओं को प्रखर तरीके से रखने वाला पत्रकार होता है। वह केवल नागरिकों के ही नहीं सरकारों के भी आंख और कान होता है। जयपुर शहर के समीप जमवारामगढ़ के ग्रीन फील्ड रिसोर्ट में आयोजित जार के इस अधिवेशन में उन्होंने डिजिटल मीडिया को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भले ही व्यक्ति मोबाइल पर डिजिटल मीडिया के संपर्क में अधिक रहता है लेकिन किसी भी खबर की पुष्टि में आज भी राजा प्रिंट मीडिया ही है, पाठक 24 घंटे इंतजार करता है और अखबार में लिखी गई बात को ही सटीक व सत्य मानता है।

कर्नल राज्यवर्धन सिंह ने पत्रकारों की सुरक्षा को महत्वपूर्ण मानते हुए यह भी कहा कि पत्रकारों को वरिष्ठ पत्रकारों के सानिध्य में ट्रेनिंग की भी जरूरत है जिससे वे उनके अनुभव का लाभ अपने कामकाज में ले सकें और पत्रकारिता को प्रखर बना सकें।

हम झुकेंगे और बिकेंगे नहीं तो कोई हमें पराजित नहीं कर सकता

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जयपुर महानगर के संपादक तथा जार के संस्थापक गोपाल शर्मा ने पत्रकारों की एकजुटता पर बल देते हुए कहां कि आजकल जो पत्रकारिता हो रही है वह पत्रकारिता है भी या नहीं, इस पर भी विचार करना होगा। पहले पत्रकार की कलम से नाराजगी का कोई सिस्टम नहीं था। उन्होंने कहा कि एक वक्त था जब मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत पत्रकारों के सामने पूरी कैबिनेट के साथ श्रोता बन कर बैठते थे, आज ऐसा नहीं होता। आज के दौर में सच्चे पत्रकार का जीवनयापन भी कठिन हो गया है। पत्रकार की स्थिति याचक जैसी हो गई है। ऐसे में सही कलम चलाने पर जान की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा और उसका स्वाभिमान से जीना कैसे सुनिश्चित होगा। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रासबिहारी शर्मा से आग्रह किया कि वे राष्ट्रीय स्तर पर एक वृहद समिति का गठन करें और अगले 3 महीने के अंदर अंदर पूरे देश में पत्रकारों की स्थिति का सर्वेक्षण कर उसकी एक रिपोर्ट केंद्र सरकार व राज्य सरकारों को भेजें। उन्होंने पत्रकारों को सीख दी कि यदि हम झुकेंगे नहीं और बिकेंगे नहीं तो कोई हमें पराजित नहीं कर सकता।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रासबिहारी शर्मा ने कहा कि पत्रकार संगठन सरकार के खिलाफ हो सकते हैं लेकिन देश हित के खिलाफ कभी नहीं होते। देश के 90प्रतिशत पत्रकार आज भी ईमानदार है। जो गैर पत्रकार हैं वही लूटखसोट कर रहे हैं। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए बनने वाला कानून लोकतंत्र की सुरक्षा का कानून होगा क्योंकि लोकतंत्र की रक्षा के लिए ही पत्रकार अपनी कलम चलाता है। उन्होंने कहा कि मीडिया संस्थान वेजबोर्ड नहीं मानते, इसका मतलब 1955 का वर्किंग जर्नलिस्ट एक्ट भी नहीं मानते, ऐसे में वर्किंग जर्नलिस्ट की परिभाषा ही बची नहीं है। किसी भी संगठन से जुड़कर पत्रकारों के हित की बात करने वाले को मीडिया संस्थान नौकरी भी नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि देश में मीडिया कमीशन बनना चाहिए जो पत्रकारों के हालात की लगातार समीक्षा कर उनके संदर्भ में सरकारों को फीडबैक देता रहे।

जार के प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने कहां कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए पत्रकारों की अहम भूमिका रही है। बावजूद इसके पत्रकारों की सुरक्षा व सुविधाओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पत्रकार सुरक्षा कानून, वर्किंग जर्नलिस्ट्स एक्ट, पत्रकार आवास योजना समेत अन्य पत्रकार हित के मुद्दों को लेकर सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को ज्ञापन देकर केंद्र सरकार से उक्त मांगों के समाधान की मांग की। इस मौके पर पूर्व विधायक जगदीश मीणा, आनंद डालमिया, जार महासचिव संजय सैनी ने विचार रखे। जार जयपुर ग्रामीण अध्यक्ष जगदीश शर्मा, महासचिव बजरंग शर्मा, संरक्षक रामजी लाल शर्मा ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पत्रकारों को सम्मानित किया।

लुटियंस दिल्ली को खत्म किया: राठौड़

जार अधिवेशन में कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने 2014 से पहले विज्ञापन के अनियमित बंटवारे पर कहा कि 2014 के बाद उन्होंने अपने मंत्री काल में हिंदी व क्षेत्रीय मीडिया को अंग्रेजी से ज्यादा महत्व दिया, जिसका असर आज यह है कि लुटियंस दिल्ली अब खत्म हो चुकी है। हिंदी और रीजनल के समाचार पत्रों को बढ़ावा मिला।

अंग्रेजी विभाग से 45 वर्षों में अनुसूचित जाति वर्ग की छात्रा डॉ. दीपिका चाहलिया द्वारा पीएचडी डिग्री मिलने पर समाजसेवी संस्थाओं ने किया सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज

रोहतक। डा. अम्बेडकर मिशनरीज विद्यार्थी एसोसिएशन ने आज 45 वर्ष बाद अनुसूचित जाति वर्ग के किसी छात्रा डॉ. दीपिका चाहलिया द्वारा पहली (पी.एच.डी) इंग्लिश विभाग एमडीयू यूनिवर्सिटी रोहतक से डा. अंजू मेहरा जी के कुशल नेतृत्व में पूरी करने पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिसर में सम्मानित किया।

इस अवसर पर डॉ. दीपिका चाहलिया ने अपनी (पी.एच.डी) को बाबा साहेब डा. अम्बेडकर एवं अपनी गाईड डा. अंजू मेहरा और अपने पति डॉ. रवि प्रकाश भुक्कल को समर्पित की और कहा कि शिक्षक के रूप में कार्य करते समय सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं को साथ लेकर चलूंगी। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत करके समाज को एक नई दिशा प्रदान करेंगे।

छात्र नेता विक्रम सिंह डूमोलिया ने कहा कि डा. अंजू मेहरा की पूरे हरियाणा प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग से पहली (पी.एच.डी) हैं और इन्हीं के मार्गदर्शन में 45 वर्ष बाद अनुसूचित जाति वर्ग के किसी छात्र की एमडीयू यूनिवर्सिटी रोहतक से पहली (पी.एच.डी) हैं जो एक मील का पत्थर साबित होगी। विक्रम सिंह डूमोलिया ने कुलपति प्रोफेसर राजबीर सिंह लोहान को भी सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

सम्मान समारोह में समाज के प्रबुद्ध लोगों ने शिरकत की डॉ. दीपिका चाहलिया को आशीर्वाद दिया व फूलों के गुलदस्ते से सम्मान किया।

इस अवसर पर डॉ. अंजू मेहरा, डॉ. रवि प्रकाश भुक्कल, डॉ. प्रताप राठी, डॉ. मनोज कुमार, समाज सेवी सतीश मेहरा, कैप्टन बलवंत भोरिया, चंचल नांदल, डॉ. सतीश कुमार बन्धु, एडवोकेट अशोक कुमार दुग्गल, राजेश कुमार बोहत, दिनेश कुमार ओहल्यान, मुनी लाल मेहरा, विजय बोहर, नरेश कुमार खुंडिया, कर्मवीर प्रजापत, दिलावर मेहरा, अनिल गूगाहेडी, स्वाति, बिजेंद्र जांगड़ा, आशीष नीगना, सतपाल बांगड़ आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

दलित महिला शिक्षिका को जिंदा जलाया स्कूल जाते समय लगाई आग उधारी के रुपये मांगे थे

गजब हरियाणा न्यूज

जयपुर । राजस्थान के जालोर में दलित छात्र की मौत का मामला अभी शांत नहीं हुआ था, इससे पहले जयपुर में एक दलित महिला शिक्षिका को जिंदा जला दिया गया। दबंगों ने स्कूल जाते समय पेट्रोल डालकर महिला को आग लगा दी। आग से बुरी तरह झुलसी शिक्षिका की मंगलवार देर रात एसएमएस अस्पताल में मौत हो गई। यह घटना दस अगस्त की है। जिसका वीडियो बुधवार को सामने आया है।

जानकारी के अनुसार दिल दहला देने वाली यह घटना जयपुर के रायसर गांव की है। 10 अगस्त सुबह आठ बजे रैगरों के मोहल्ले में रहने वाली शिक्षिका अनीता रेगर (32) अपने बेटे राजवीर (6) के साथ वीणा मेमोरियल स्कूल जा रही थी। इस दौरान कुछ दबंगों ने उसे घेर लिया और हमला कर दिया। बदमाशों से बचने के लिए अनीता पास ही में ही बने एक घर में घुस गई। उसके मदद के लिए डायल 100 को सूचना दी, लेकिन काफी देर बाद भी वहां पुलिस नहीं पहुंची।

इसके बाद मौका मिलते ही दबंगों ने पेट्रोल डालकर उसे शिक्षका को लगा दी। आग की लपटों में घिरी अनीता मदद के लिए चिल्लाती रही, लेकिन कोई उसके पास नहीं आया। घटना की सूचना मिलने पर शिक्षिका का पति ताराचंद अपने परिवार के सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचा और पत्नी को जमवारामगढ़ के सरकारी अस्पताल ले गया। जहां 70 फीसदी जल चुकी अनीता को प्राथमिकी उपचार के बाद डॉक्टरों ने जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया।

इसलिए जिंदा जलाया

मृतका शिक्षिका अनीता ने आरोपियों को ढाई लाख रुपये उधार दिए थे। कई दिन से वह आरोपियों से अपने रुपये वापस मांग रही थी। बार-बार रुपये मांगने पर आरोपी शिक्षिका के साथ मारपीट और अभद्रता कर रहे थे। इसे लेकर अनीता ने 7 मई को रायसर थाने में केस भी दर्ज कराया था। बताया जा रहा है कि पुलिस ने शिक्षिका की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की और आखिरकार बदमाशों ने महिला को जिंदा जला दिया।

आरोपी अब तक गिरफ्तार नहीं

मृतका शिक्षिका के पति ताराचंद ने गांव के रामकरण, बाबूलाल, गोकुल, मूलचंद, सुरेश चंद, आनंदी, प्रहलाद रेगर, सुलोचना, सरस्वती और विमला पर उसकी पत्नी पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप लगाया है। वहीं ताराचंद का कहना है कि शिकायत के बाद भी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। अब तक एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। मंगलवार देर रात शिक्षिका की मौत के बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद पूरा मामला सामने आया।

1 सितंबर को होशियारपुर से पानी के मुद्दे पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा : प्रशोतम अहीर

गजब हरियाणा न्यूज/दीवाना

होशियारपुर । प्रशोतम अहीर प्रदेश अध्यक्ष लेबरविग संयुक्त समाज मोर्चा (एसएसएम) पंजाब ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 1 सितंबर को होशियारपुर से पानी के मुद्दे पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब में 139 ब्लॉक हैं, जिनमें से 78 फीसदी ब्लॉक (डार्क जोन) में भूजल की कमी है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा 2015 में पंजाब सरकार को भेजी गई नासा की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पंजाब के सिंचित खेतों के नीचे भूजल गायब हो रहा है।इसे मानव गतिविधियों के लिए निकाला और उपभोग किया जा रहा है, इसका एक बड़ा कारण यह है कि भूजल का उपयोग नदी के पानी के बजाय फसल सिंचाई के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है, यदि भूजल के सतत उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए उपाय नहीं किए जाते हैं, तो क्षेत्र की आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए कृषि उत्पादन में गिरावट और पीने योग्य पानी की भारी कमी शामिल हो सकती है। प्रशोतम अहीर ने संवाददाताओं से कहा कि इन रिपोर्टों से पता चलता है कि सतलुज, रावी और ब्यास का पानी कितना महत्वपूर्ण है जिसका उपयोग राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों द्वारा किया जाता है और वे इसके लिए कोई रॉयल्टी नहीं देते हैं। फ्लडगेट की खराब स्थिति के कारण भी काफी पानी पाकिस्तान की ओर रिस रहा है। हैरानी की बात यह है कि दिल्ली अपने पानी के लिए हिमाचल प्रदेश को भुगतान करती है लेकिन पंजाब को नहीं। अब दोनों राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकार है, मैं मुख्यमंत्री भगवंत मान से इस मुद्दे को उठाने की अपील करता हूं। इसके अलावा एसएसएम व अन्य

किसान संगठनों ने पूर्व में किसान भवन में बैठक की। बैठक के दौरान बलबीर सिंह राजेवाल के नेतृत्व में 30 सितंबर को फगवाड़ा में एक रैली आयोजित करने की घोषणा की गई, जिसमें चार जिलों होशियारपुर, जालंधर, नवांशहर, कपूरथला से बड़ी संख्या में साथी शामिल होंगे।

भांडे ही में भेद है !

– भंवर मेघवंशी

राजस्थान के जालोर जिले के सायला ब्लॉक के सुराणा गाँव की सरस्वती विध्या मंदिर स्कूल की तीसरी कक्षा का नौ वर्षीय दलित छात्र इंद्र कुमार मेघवाल भारत के घिनौने जातिवाद की भेंट चढ़ गया,शिक्षक द्वारा की गई पिटाई से घायल हुए इस मासूम की इलाज के दौरान मौत हो गई.

मृतक छात्र इंद्र कुमार का उसके गाँव में अंतिम संस्कार किया जा चुका है.अंतिम विधि से पूर्व वहाँ पहुँचे इंसाफ़ माँग रहे लोगों पर राज्य के दमन की लाठियाँ भी चली,शायद इंद्र कुमार का खून कम था, इसलिए और भी दलितों का खून बहाया गया.यहाँ तक कि मृत छात्र के शोक संतप्त परिजनों को भी पुलिस की लाठियों का शिकार होना पड़ा,हमारा सिस्टम कितना असंवेदनशील है,इससे यह पता चलता है.

पूरे प्रकरण में राज्य जातिवादी तत्त्वों के समक्ष घुटने टेकते नज़र आया,मुआवज़ा देने तक में भेदभाव साफ़ साफ़ नज़र आया, इस सूबे में अजब सी रवायत क़ायम हो गई है कि ग़ैर दलित की हत्या हो तो उसे 50 लाख का मुआवज़ा और परिजन को नौकरी दी जाती है, पर दलितों की हत्या पर मुआवज़ा 5 लाख दिया जाता है, नौकरी का तो सवाल ही नहीं उठता है.राज्य को इतना संवेदनहीन नहीं होना चाहिये,उसकी नज़र में हर नागरिक बराबर होना चाहिये.इस सरकारी भेदभाव के ख़िलाफ़ देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक में ज़बर्दस्त आक्रोश व्याप्त है,हालात यहाँ तक पहुँच गए हैं कि सत्तारूढ़ दल के विधायक पाना चंद मेघवाल ने तो अपनी विधायकी से इस्तीफ़ा तक दे दिया है,और भी लोग इस्तीफ़े देने की तैयारी में हैं.

अगर शासन ने समय रहते इस मामले को नहीं सम्भाला तो यह सत्ता प्रतिष्ठान के लिए जानलेवा होगा.जो लोग,समूह और जातियाँ इस निर्मम हत्याकांड को चतुराई से शब्दों की बाज़ीगरी करके उचित ठहराने का दुष्कर्म कर रहे हैं,वे भी इसका ख़ामियाज़ा भुगतेंगे,क्योंकि दलितों की यह जनरेशन सहन करने को तैयार नहीं है,वह जवाब देगी हर मोर्चे पर,कोई मुग़ालते में न रहे.

शिक्षा के कथित मंदिर में दलित छात्र के साथ जातिजन्य अत्याचार के ख़िलाफ़ देश व्यापी आक्रोश फूट पड़ा जो कि स्वाभाविक ही है,ऐसी क्रूरता और निर्दयता, वो भी शिक्षक द्वारा ,कैसे बर्दाश्त की जा सकती है,भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मुक़दमा दर्ज हो कर हत्या के आरोपी शिक्षक छैल सिंह को गिरफ़्तार किया जा चुका है.

छैल सिंह भौमिया राजपूत समुदाय से ताल्लुक़ रखता है,पहले कोई उसे राजपूत लिखते रहे तो किसी ने राजपुरोहित भी लिख दिया,बाद में भूल सुधार करके उसकी सही जाति का उल्लेख किया गया.छैल सिंह अपने एक जीनगर पार्टनर के साथ इस विध्यालय का संचालक था और हेड मास्टर भी.हालाँकि वह सुराणा गाँव का निवासी न हो कर चीतलवाना क्षेत्र के झाब नामक गाँव का निवासी है और यहीं रहकर अपने विध्यालय को संचालित करता है.

सुराणा गाँव के इस सरस्वती विध्या मंदिर में सभी जातियों के 350 स्टूडेंट अध्ययनरत है.यह गाँव भौमिया राजपूत समुदाय के बाहुल्य वाला है.विध्यालय में दलित विद्यार्थियों के साथ साथ दलित व आदिवासी शिक्षक भी नियुक्त है और एक पार्टनर तो जीनगर है जो दलित समुदाय का ही है.

मृत छात्र इंद्र कुमार मेघवाल के पिता देवा राम एक विडीयो द्वारा और चाचा ने पुलिस को दी तहरीर जो बाद में प्राथमिक सूचना रपट के रूप में दर्ज हुई,उसमें बताया कि प्यास लगने पर नौ वर्षीय इंद्र कुमार मेघवाल को प्यास लगी, उसने स्कूल के हेड मास्टर छैल सिंह के लिए पानी पीने हेतु रखे गए मटके से पानी पी लिया,इससे आग बबूला हेडमास्टर ने मासूम बच्चे के साथ मारपीट की,जिससे उसके दाहिने कान और आँख पर गम्भीर चौटें आई और उसकी नस फट गई, इलाज हेतु बागोडा, भीनमाल, डीसा, मेहसाणा, उदयपुर और अहमदाबाद ले गये, जहां पर उपचार के दौरान बालक इंद्र की मौत हो गई.

इस बीच मृतक छात्र इंद्र के पिता देवा राम मेघवाल और आरोपी अध्यापक छैल सिंह के मध्य फ़ोन पर बात हुई,जिसमें देवा राम शिक्षक से यह कह रहा है कि आपको इतना ज़ोर से नहीं मारना चाहिये,आपको बच्चों को इस तरह मारने का कोई अधिकार नहीं है.शिक्षक अपना क़सूर मानते हुए इलाज में मदद करने की बात कहता सुनाई पड़ रहा है.इसके बाद गाँव स्तर पर डेढ़ लाख रुपए में कोई समझौता होने का दावा किया जा रहा है.

इस क्रूर कांड की ख़बर मीडिया में आने और सोशल मीडिया पर घटना के बारे में पोस्ट्स वायरल होने के बाद पुलिस व प्रशासन हरकत में आया और उसने पीड़ति पक्ष की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की और आरोपी शिक्षक को हिरासत में लिया, बाद में पोस्टमार्टम के बाद उक्त शिक्षक को गिरफ़्तार कर लिया गया.

शिक्षक के गिरफ़्तार होते ही शिक्षक की जाति के लोग संगठित और सक्रिय हुये और उन्होंने यह कहते हुए कि 'पानी की मटकी छूने और मारपीट करने की बात झूठ है'.आरोपी का बचाव करते हुए बेहद सुनियोजित और व्यवस्थित काउंटर नेरेटिव सैट किया गया तथा पूरा जातिवादी ईकोसिस्टम सक्रिय हो गया.

सोशल मीडिया पर जातिवादी संगठन लिख रहे हैं कि उस विद्यालय में कोई मटकी थी ही नहीं,सब लोग पानी टंकी से पीते थे.पानी की बात,मटकी की बात, छुआछूत की बात और यहाँ तक कि मारपीट की बात भी सच नहीं है, लड़का पहले से ही बीमार था,बच्चे आपस में झगड़े होंगे,जिससे लग गई होगी.

उसी स्कूल के एक अध्यापक गटाराम मेघवाल और कुछ विद्यार्थियों को मीडिया के समक्ष पेश किया गया कि पानी की मटकी की बात सही नहीं है,इस स्कूल में कोई भेदभाव नहीं है.न ही बच्चे के साथ मारपीट की गई.लगभग इन्हीं सुरों में जालोर भाजपा विधायक योगेश्वर गर्ग ने भी अपना सुर मिलाया और खुलेआम आरोपी शिक्षक को बचाने जी कोशिश करते हुए विडीयो जारी किया है.पुलिस ने भी बिना इंवेस्टिगेशन पूरा किए ही मीडिया को बयान दे दिया कि मटकी का एंगल नहीं लग रहा है.

इस वक्त वहाँ की बहुसंख्यक वर्चस्वशाली जाति के लोग,उनके जातिवादी संगठन,मीडिया,विधायक,स्कूल के विध्यार्थी और कुछ शिक्षक यह साबित करने में लगे हुए है कि मृत छात्र के पानी का मटका छूने जैसी कोई बात ही नही हुई और न ही मारपीट.अब सवाल यह है कि अगर पानी की मटकी नहीं थी तो शिक्षक पानी कहाँ से पीते थे ? इसका जवाब यह है कि विद्यार्थी हो अथवा शिक्षक, यहाँ तक कि गाँव वाले भी स्कूल में स्थित टंकी से पानी पीते थे.

स्कूल में स्थित पानी की जिस टंकी का फ़ोटो टीवी चैनल्स दिखा रहे हैं,उसे देखकर तो उपरोक्त दावे में दम नहीं नज़र आता, क्योंकि टंकी पर साढ़े तीन सौ बच्चे और शिक्षक व अभिभावक तक पानी पी सकें,ऐसा लगता नहीं है.टंकी से नल जिस हाईट पर लगा हैं,वह छोटे बच्चों के लिए तो ठीक है, लेकिन अगर शिक्षक व ग्रामीणों को पानी उसी टंकी के उसी नल से पीना पड़े तो शायद वे नीचे ज़मीन पर घुटने टिका कर नल के मुँह लगा कर पीते होंगे, क्या यह हेड मास्टर व अन्य शिक्षकगण करते थे या अपने लिए अलग पानी पीने की मटकी रखते थे, यह तो उन्हीं का सच है,जिसे वे चाहे तो बोले अन्यथा झूठ भी बोलने को स्वतंत्र ही हैं.

अगर पानी की मटकी छूने का मामला नहीं था तो फिर वो क्या मामला था, जिसकी वजह से नौ वर्षीय मासूम को हेड मास्टर को इतना पीटना पड़ा कि उसकी जान ही चली गई,वो कारण सामने आना चाहिये,पुलिस को यह भी पता करना चाहिये कि इस निर्दयतापूर्ण पिटाई का क्या कारण था ?

यह भी दावा है कि हेड मास्टर ने पीटा ही नहीं, फिर वह क्यों फ़ोन पर गलती स्वीकार रहा है और उसे डेढ़ लाख में समझौता करने की क्या मजबूरी थी,बिना गलती डेढ़ रुपया भी क्यों देना चाहिये ? बेवजह तो कोई किसी का मुँह बंद करवाने को दबाव डाल कर समझौता नहीं करता और न ही पैसा देता है. समझौते की क्या मजबूरी थी ? इतने बड़े कांड को तेइस दिन तक छिपा कर रख दिया गया,अगर दलित छात्र इंद्र कुमार की मृत्यु नहीं होती तो पूरा मामला मैनेज ही किया जा चुका था.क्या कभी भी यह स्कूली छात्र के साथ हुआ भेदभाव व अत्याचार सामने आ पाता ?क्या बच्चों की कोई गरिमा नहीं है,क्या उनके कोई मानवीय अधिकार नहीं हैं ? क्या उनको सजा देने का अधिकार शिक्षकों को हैं ?

बहुत सारे प्रश्न है जो अनुत्तरित है,जिनके जवाब जाँच और एफएसएल रिपोर्ट से मिलेंगे,लेकिन इससे पहले ही घोर जातिवादी तत्व और उनके संगठन यह साबित करने को आतुर है कि न मटकी का मामला है और न ही मारपीट का, यहाँ तक कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के हवाले से दावे कर रहे हैं,जैसे कि डॉक्टर ने इन्हीं के कहने पर रिपोर्ट बनाई हो या बनाते ही इन्हीं कास्ट एलिमेंट्स को उनकी प्रतिलिपि पकड़ाई हो.

सोशल मीडिया पर जातिवादी तत्वों और उनके संगठनों की तरफ़ से हम जैसे लोगों को निरंतर चैलेंज दिया जा रहा है कि निष्पक्ष लिखो,पानी की बात मत कहो,मटकी का ज़िक्र मत करो, सुराणा में भेदभाव जैसी कोई बात ही नहीं है, हमारा भाईचारे का ताना बाना मत बिगाड़ो, एक न एक दिन तुमको सौहार्द ख़त्म करने वाली पोस्टें डिलीट करनी होगी, तब क्या तुम सार्वजनिक रूप से गलती मानोगे, माफ़ी माँगोगे ? आदि इत्यादिज

मैं कहना चाहता हूँ कि पूरे देश में भयंकर जातिवाद है और जालोर में तो विशेष तौर पर बेहद घिनौना छुआछूत और भेदभाव तथा अन्याय अत्याचार है,वहाँ पानी की मटकी और शिक्षा में भेदभाव के मामले संभव है, इसकी गहन जाँच हो और मिड डे मिल,आँगन बाड़ी के पौषाहार व नरेगा में पानी पिलाने में नियुक्त लोगों का सामाजिक अंकेक्षण किया जाए,जिले के तमाम सरकारी व ग़ैर सरकारी विध्यालयों का एक जातिगत भेदभाव का सर्वे किया जाये तो सच्चाई सामने आ जायेगी कि कौन सा सौहार्द और क्या भाईचारा है वहाँ और दलित स्टूडेंट्स की क्या हालात है ?

अंत में जातिवादी मानसिकता के लोगों से सिर्फ़ इतना सा सवाल है कि अगर न मृतक छात्र इंद्र के साथ पानी पीने की मटकी में भेदभाव हुआ और न ही हेडमास्टर ने उसे मारा तो क्या उस नौ वर्षीय मासूम ने अपने आप को मार डाला ? कुछ तो मानवता रखो,थोड़ी तो इंसानियत बचा कर रखो और तनिक तो पीड़ति परिवार के प्रति संवेदना बरतों,क्या इंसान होने की इतनी न्यूनतम अर्हता भी नहीं बची है,अगर नहीं,तो मुझे कुछ भी नहीं कहना है.

भंवर मेघवंशी
सम्पादक – शून्यकाल डॉटकॉम

हीरो स्प्लेंडर भी बन जाएगी इलेक्ट्रिक बाईक मिलेगी 250 कि.मी. की दमदार माइलेज

मिडिल क्लास के लिए सबसे चहेती माने जाने वाली हीरो स्प्लेंडर जल्द ही इलेक्ट्रिक मॉडल के साथ बाजार में आने वाली है, जिसको लेकर इसके प्रेमियों में उत्साह देखने को मिल रहा है । आपको बता दें कि स्प्लेंडर की पेट्रोल मॉडल भी माइलेज में सबसे अच्छी मानी जाती है ।

हालांकि हीरो ने इसे अब इलेक्ट्रिक मॉडल के रूप में विकसित कर अपने ग्राहकों को नया तोहफा देने की तैयारी शुरू कर दी है । कंपनी की मानें तो हीरो स्प्लेंडर का इलेक्ट्रिक मॉडल एक बार में फुल चार्ज होने पर 250 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है । वहीं कंपनी के मुताबिक यह चार्ज होने में बहुत कम समय लेती है साथ ही बेहद किफायती भी है ।

पिछले कुछ महीनों में भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक व्हीकल की मांग बढ़ने के कारण कंपनी में हीरो स्प्लेंडर को इलेक्ट्रिक व्हीकल के रूप में प्रस्तुत करने का फैसला किया है। आपको बता दें कि हीरो मोटोकॉर्प अपने ग्राहकों के लिए समय-समय पर अलग-अलग रेंज में अलग-अलग मॉडल को लॉन्च करता रहता है । ऐसे में अब हीरो ने अपने ग्राहकों के लिए हीरो स्प्लेंडर को इलेक्ट्रिक व्हीकल के रूप में प्रस्तुत करने का फैसला किया है हालांकि यह बाजार में कब तक उपलब्ध होगा अभी भी इस पर संशय बना हुआ है ।

प्रेरक कहानी

बंदर का हृदय

किसी नदी के तट पर एक वन था। उस वन में एक बंदर निवास करता था, जो वन के फल आदि खा कर अपना निर्वाह करता था। नदी में एक टापू भी था और टापू और तट के बीच में एक बड़ी सी चट्टान भी थी। जब कभी बंदर को टापू के फल खाने की इच्छा होती वह उस चट्टान पर उस टापू पर पहुँच जाता और जी भर अपने मनचाहे फलों का आनंद उठाता।

उसी नदी में घड़ियालों का एक जोड़ी भी रहती थी। जब भी वह उस हृष्ट-पुष्ट बंदर को मीठे-रसीले फलों का आनंद उठाते देखती तो उसके मन में उस बंदर के हृदय को खाने की तीव्र इच्छा उठती। एक दिन उसने नर घड़ियाल से कहा, प्रिय ! अगर तुम मुझसे प्रेम करते हो तो मुझे उसका हृदय खिला कर दिखा दो, नर घड़ियाल ने उसकी बात मान ली।

दूसरे दिन बंदर जैसे ही टापू पर पहुँचा नर-घड़ियाल टापू और तट के बीच के चट्टान के निचले हिस्से पर चिपक गया। वह बंदर एक बुद्धिमान प्राणी था । शाम के समय जब वह लौटने लगा और तट और टापू के बीच के चट्टान को देखा तो उसे चट्टान की आकृति में कुछ परिवर्तन दिखाई पड़ा । उसने तत्काल समझ लिया कि जरुर कुछ गड़बड़ी है । तथ्य का पता लगाने के लिए उसने चट्टान को नमस्कारकरते हुए कहा, हे चट्टान मित्र ! आज तुम शांत कैसे हो ? मेरा अभिवादन भी स्वीकार नहीं कर रही हो ? घड़ियाल ने समझा, शायद चट्टान और बंदर हमेशा बात करते रहते हैं इसलिए उसने स्वर बदल कर बंदर के नमस्कार का प्रत्युत्तर दे डाला । बंदर की आशंका सत्य निकली । बंदर टापू में ही रुक तो सकता था मगर टापू में उसके निर्वाह के लिए पर्याप्त आहार उपलब्ध नहीं था। जीविका के लिए उसका वापिस वन लौटना अनिवार्य था। अत- अपनी परेशानी का निदान ढूंढते हुए उसने घड़ियाल से कहा, मित्र ! चट्टान तो कभी बातें नहीं करती ! तुम कौन हो और क्या चाहते हो ? दम्भी घड़ियाल ने तब उसके सामने प्रकट हो कहा, ओ बंदर ! मैं एक घड़ियाल हूँ और तुम्हारा हृदय अपनी पत्नी को खिलाना चाहता हूँ । तभी बंदर को एक युक्ति सूझी । उसने कहा, हे घड़ियाल ! बस इतनी सी बात है तो तुम तत्काल अपनी मुख खोल दो, मैं सहर्ष ही अपने नश्वर शरीर को तुम्हें अर्पित करता हूँ। बंदर ने ऐसा इसलिए कहा कि वह जानता था कि जब घड़ियाल मुख खोलते हैं, तो उनकी आँखें बंद हो जाती हैं।

फिर जैसे ही घड़ियाल ने अपना मुख खोला, बंदर ने तेजी से एक छलांग उसके सिर पर मारी और दूसरी छलांग में नदी के तट पर जा पहुँचा।

इस प्रकार अपनी सूझ-बूझ और बुद्धिमानी से बंदर ने अपने प्राण बचा लिए ।

यूट्यूब व फेसबुक पर
गजब हरियाणा न्यूज
चैनल को लाईक व सब्सक्राइब करें।
91382-03233
रोजाना की खबरों के लिए देखें वेबसाईट
www.gajabharyana.com

अमृतवाणी

अमृतवाणी

सतगुर कबीर साहेब जिओ की
जय गुरुदेव
जा घट प्रेम न संचरै, सो घट जानु मसान।
जैसे खाल लुहार की, सांस लेत बिन प्रान।।
व्याख्या : जिस हृदय में प्रेम का भाव नहीं उमड़ता, उसे श्मशान तुल्य ही समझना चाहिए, क्योंकि वह भाव-शून्य (मृतक) के समान है। जैसे लोहार की धौंकनी जो मृत पशु की खाल से बनी होती है बिना प्राण के भी सांस लेती रहती है।
धन गुरुदेव

भारत का संविधान

भारतीय संविधान के भाग और अनुच्छेद – 51 से 73

अनुच्छेद 51 : अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा
भाग 4क : मूल कर्तव्य
अनुच्छेद 51 क : मूल कर्तव्य
भाग 5 : संघ अध्याय कार्यपालिका राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति
अनुच्छेद 52 : भारत का राष्ट्रपति
अनुच्छेद 53 : संघ की कार्यपालिका शक्ति
अनुच्छेद 54 : राष्ट्रपति का निर्वाचन
अनुच्छेद 55 : राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीती
अनुच्छेद 56 – राष्ट्रपति की पदावधि
अनुच्छेद 57 : पुनर्निर्वाचन के लिए पात्रता
अनुच्छेद 58 : राष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए आहर्ताए
अनुच्छेद 59 : राष्ट्रपति पद के लिए शर्ते
अनुच्छेद 60 : राष्ट्रपति की शपथ
अनुच्छेद 61 : राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की प्रक्रिया
अनुच्छेद 62 : राष्ट्रपति पद पर व्यक्ति को भरने के लिए निर्वाचन का समय और रीतियां
अनुच्छेद 63 : भारत का उपराष्ट्रपति
अनुच्छेद 64 : उपराष्ट्रपति का राज्यसभा का पदेन सभापति होना
अनुच्छेद 65 : राष्ट्रपति के पद की रिक्त पर उप राष्ट्रपति के कार्य
अनुच्छेद 66 : उप-राष्ट्रपति का निर्वाचन
अनुच्छेद 67 : उपराष्ट्रपति की पदावधि
अनुच्छेद 68 : उप राष्ट्रपति के पद की रिक्त पद भरने के लिए निर्वाचन
अनुच्छेद 69 : उप राष्ट्रपति द्वारा शपथ
अनुच्छेद 70 : अन्य आकस्मिकता में राष्ट्रपति के कर्तव्यों का निर्वहन
अनुच्छेद 71. : राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के निर्वाचन संबंधित विषय
अनुच्छेद 72 : क्षमादान की शक्ति
अनुच्छेद 73 : संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार

धन मिलना आसान है लेकिन मन की शांति मिलना बहुत मुश्किल

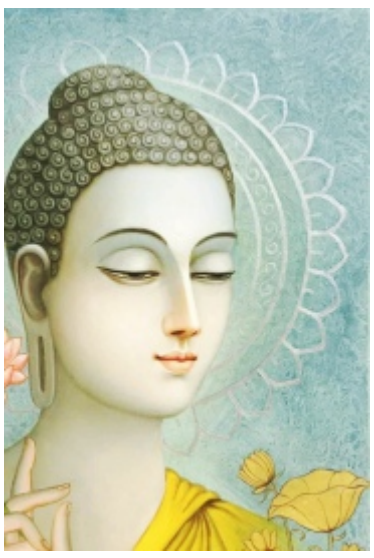

सुख और मानसिक शांति भला किसे नहीं चाहिए, सभी तो इसकी तलाश में है। लेकिन मानसिक अशांति क्यों है, दुख क्यों है? इसके कारण पर जोर देना जरूरी है।

तथागत कहते हैं - इंसान की इच्छाएं बहुत है, इच्छाओं ने मन को परेशान कर रखा है, उन चाहों के कारण तनाव है और तनाव के कारण अशांति है। धन, पद, प्रतिष्ठा, वस्त्र, भोजन, पांच इंद्रिय सुखों की हर दिन नई इच्छा पैदा हो रही है तो अशांति बढ़ेगी ही।

धन मिलना आसान है लेकिन मानसिक शांति, संतोष, सुख मिलना बहुत मुश्किल है। धन तो छोटी बात हैं भागते रहो तो मिल ही जाएगा। कानूनी ढंग, नेकी ईमानदारी से नहीं तो बेईमानी, लूट खसोट और शोषण से मिल जाएगा। धन को तो जैसे तैसे पाया जा सकता है लेकिन मानसिक शांति या सुख कोई वस्तु तो है नहीं कि उसे मुट्ठी में बांध लो या बाजार से खरीद लो।

असल में मानसिक शांति तो सही-ग़लत, भले-बुरे की समझ होने से मिलती है, प्रज्ञा (wisdom) से मिलती है, सजग चित्त व ध्यान से मिलती है. जब व्यक्ति को दुख या अशांति के कारणों का पता चल जाता है। यह समझ में आ जाता है कि मन अशांत क्यों है तो उसी समझ में दुख व अशांति के कारण समाप्त हो जाते हैं और बाकी जो रह जाता है, वह मन की सुख शांति ही है. इसलिए सुख शांति कोई चाहने से नहीं मिलती। फिर चाह ही तो अशांति का कारण है।

हर इंसान सुख पाने के लिए भाग दौड़ कर रहा है लेकिन यह मालूम नहीं करता है कि वह दुखी क्यों है? और जब तक दुखी होने के कारणों को नहीं बदलता, तब तक वह कितना ही दौड़े, सुख व शांति नहीं पा सकेगा।

तथागत कहते हैं- लोग सुख खोज रहे हैं और दुख पैदा कर रहे हैं। सारी ऊर्जा दुख पैदा करने में लगी है और मन का एक छोटा सा हिस्सा सुख खोजने में लगा है, सफल कैसे होगा?

व्यक्ति का पूरा जीवन दुख पैदा करने में लगा रहता है जबकि जरुरी यह है कि दुख के कारण खोजो और उसका उपाय कर दूर करो.ल। बाकी जो बचेगा वह सुख ही सुख है जहां दुख नहीं होगा वहां सुख का सागर होगा।

सबका मंगल हो ...सभी प्राणी सुखी हो
प्रस्तुति : डॉ. एम एल परिहार जयपुर

अष्टावक्र

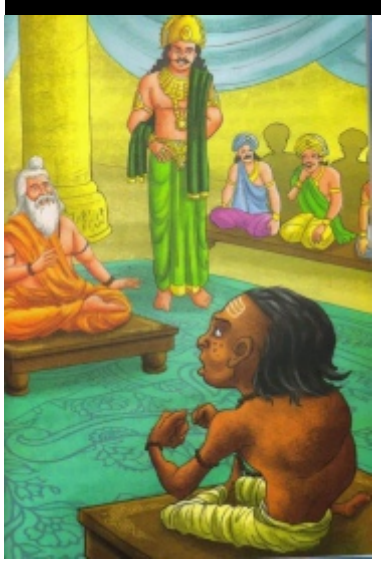

जनक ने एक धर्म-सभा बुलाई थी। उसमें बड़े-बड़े पंडित आए। उसमें अष्टावक्र के पिता भी गए। अष्टावक्र आठ जगह से टेढ़ा था, इसलिए तो नाम पड़ा अष्टावक्र। दोपहर हो गई। अष्टावक्र की मां ने कहा कि तेरे पिता लौटे नहीं, भूख लगती होगी, तू जाकर उनको बुला ला।

अष्टावक्र गया। धर्म--सभा चल रही थी, विवाद चल रहा था। अष्टावक्र अंदर गया। उसको आठ जगह से टेढ़ा देख कर सारे पंडितजन हंसने लगे। वह तो कार्टून मालूम हो रहा था। इतनी जगह से तिरछा आदमी देखा नहीं था। एक टांग इधर जा रही है, दूसरी टांग उधर जा रही है, एक हाथ इधर जा रहा है, दूसरा हाथ उधर जा रहा है, एक आंख इधर देख रही है, दूसरी आंख उधर देख रही है। उसको जिसने देखा वही हंसने लगा कि यह तो एक चमत्कार है! सब को हंसते देख कर.. .यहां तक कि जनक को भी हंसी आ गई।

मगर एकदम से धक्का लगा, क्योंकि अष्टावक्र बीच दरबार में खड़ा होकर इतने जोर से खिलखिलाया कि जितने लोग हंस रहे थे सब एक सकते में आ गए और चुप हो गए। जनक ने पूछा कि मेरे भाई, और सब क्यों हंस रहे थे, वह तो मुझे मालूम है, क्योंकि मैं खुद भी हंसा था, मगर तुम क्यों हंसे? उसने कहा मैं इसलिए हंसा कि ये चमार बैठ कर यहां क्या कर रहे हैं!

अष्टावक्र ने चमार की ठीक परिभाषा की, क्योंकि इनको चमड़ी ही दिखाई पड़ती है। मेरा शरीर आठ जगह से टेढ़ा है, इनको शरीर ही दिखाई पड़ता है। ये सब चमार इकट्ठे कर लिए हैं और इनसे धर्म-सभा हो रही है और ब्रह्मज्ञान की चर्चा हो रही है? इनको अभी आत्मा दिखाई नहीं पड़ती। है कोई यहां जिसको मेरी आत्मा दिखाई पड़ती हो? क्योंकि आत्मा तो एक भी जगह से टेढ़ी नहीं है।

वहां एक भी नहीं था। कहते हैं, जनक ने उठ कर अष्टावक्र के पैर छुए। और कहा कि आप मुझे उपदेश दें। इस तरह अष्टावक्र-गीता का जन्म हुआ। और

अष्टावक्र-गीता भारत के ग्रंथों में अद्वितीय है। श्रीमद्भगवद्गीता से भी एक दर्जा ऊपर! इसलिए श्रीमद्भगवद्गीता को मैंने गीता कहा है और अष्टावक्र-गीता को महागीता कहा है। उसका एक-एक वचन हीरों से भी तौला जाए, हजारों हीरों से भी तौला जाए, तो भी पलड़ा उस वचन का ही भारी रहेगा, हीरों का भारी नहीं हो सकता। सारे सूत्र ध्यान के हैं और समाधि के हैं।

तो तुम समझ लेना, जब तक तुम्हें शरीर ही दिखाई पड़ता है-अपना और दूसरों का--तब तक तुम चमार ही हो। मेरे हिसाब से सभी शूद्र पैदा होते हैं, कभी-कभी कोई ब्राह्मण हो पाता है--कोई बुद्ध, कोई कृष्ण, कोई महावीर, कोई रैदास, कोई फरीद, कोई नानक। कभी-कभी कोई ब्राह्मण हो पाता है; नहीं तो लोग शूद्र ही पैदा होते हैं, शूद्र ही मर जाते हैं। तो यह सूत्र तुम्हारे संबंध में भी है--तुम्हारे ही संबंध में है।

ओशो, मन ही पूजा मन ही धूप
(संत रैदास-वाणी), प्रवचन-9

अकबर-बीरबल की कहानी : सबसे बड़ी चीज

एक बार की बात है, बीरबल दरबार में मौजूद नहीं थे। इसी बात का फायदा उठा कर कुछ मंत्रीगण बीरबल के खिलाफ महाराज अकबर के कान भरने लगे। उनमें से एक कहने लगा, महाराज! आप केवल बीरबल को ही हर जिम्मेदारी देते हैं और हर काम में उन्हीं की सलाह ली जाती है। इसका मतलब यह है कि आप हमें अयोग्य समझते हैं। मगर, ऐसा नहीं हैं, हम भी बीरबल जितने ही योग्य हैं।

महाराज को बीरबल बहुत प्रिय थे। वह उनके खिलाफ कुछ नहीं सुनना चाहते थे, लेकिन उन्होंने मंत्रीगणों को निराश न करने के लिए एक समाधान निकाला। उन्होंने उनसे कहा, ‘मैं तुम सभी से एक प्रश्न का जवाब चाहता हूं। मगर, ध्यान रहे कि अगर तुम लोग इसका जवाब न दे पाए, तो तुम सबको फांसी की सजा सुनाई जाएगी।

दरबारियों ने झिझक कर महाराज से कहा, ठीक है महाराज! हमें आपकी ये शर्त मंजूर है, लेकिन पहले आप प्रश्न तो पूछिए।

महाराज ने कहा, दुनिया की सबसे बड़ी चीज़ क्या है?

यह सवाल सुनकर सभी मंत्रीगण एक दूसरे का मुंह ताकने लगे। महाराज ने उनकी ये स्थिति देख कर कहा, याद रहे कि इस प्रश्न का उत्तर सटीक होना चाहिए। मुझे कोई भी अटपटा सा जवाब नहीं चाहिए।

इस पर मंत्रीगणों ने राजा से इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए कुछ दिनों की मोहलत मांगी। राजा भी इस बात के लिए तैयार हो गए।

महल से बाहर निकलकर सभी मंत्रीगण इस प्रश्न का उत्तर ढूंढने लगे। पहले ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी चीज़ भगवान है, तो दूसरा कहने लगा कि दुनिया की सबसे बड़ी चीज भूख है। तीसरे ने दोनों के जवाब को नकार दिया और कहा कि भगवान कोई चीज नहीं है और भूख को भी बर्दाश्त किया जा सकता है। इसलिए राजा के प्रश्न का उत्तर इन दोनों में से कोई नहीं है।

धीरे-धीरे समय बीतता गया और मोहलत में लिए गए सभी दिन भी गुजर गए। फिर भी राजा द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब न मिलने पर सभी मंत्रीगणों को अपनी जान की फिक्र सताने लगी। कोई अन्य उपाय न मिलने पर वो सभी बीरबल के पास पहुंचे और उन्हें अपनी पूरी कहानी सुनाई। बीरबल पहले से ही इस बात से परिचित थे। उन्होंने उनसे कहा, मैं तुम्हारी जान बचा सकता हूं, लेकिन तुम्हें वही करना होगा जैसा मैं कहूं। सभी बीरबल की बात पर राजी हो गए।

अगले ही दिन बीरबल ने एक पालकी का इंतजाम करवाया। उन्होंने दो मंत्रीगणों को पालकी उठाने का काम दिया, तीसरे से अपना हुक्का पकड़वाया और चौथे से अपने जूते उठवाये व स्वयं पालकी में बैठ गए। फिर उन सभी को राजा के महल की ओर चलने का इशारा दिया।

जब सभी बीरबल को लेकर दरबार में पहुंचे, तो महाराज इस मंजर को देख कर हैरान थे। इससे पहले कि वो बीरबल से कुछ पूछते, बीरबल खुद ही राजा से बोले, महाराज! दुनिया की सबसे बड़ी चीज ‘गरज’ होती है। अपनी गरज के कारण ही ये सब मेरी पालकी को उठा कर यहां तक ले आए हैं।

यह सुन महाराज मुस्कुराये बिना न रह सके और सभी मंत्रीगण शरम के मारे सिर झुकाए खड़े रहे।

कहानी से सीख

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी किसी की योग्यता से जलना नहीं चाहिए, बल्कि उससे सीख लेकर खुद को भी बेहतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

तथागत बुद्ध के चिकित्सक कौन थे

अत्रेय तक्षशिला विश्वविद्यालय में वैद्यकीय आचार्य थे। वह अपने सभी स्टूडेंट्स को मेहनत से पढ़ाते और उनकी कड़ी परीक्षा लेते। वह जानते थे कि एक तरफ जहां वैद्यकीय ज्ञान मानव सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है वहीं ज्ञान की जरा सी कमी समाज के लिए अमानवीय है। इसलिए वे शिष्यों की काफी जांच के बाद ही सर्टिफिकेट देते थे। उनके शिष्यों में जीवाका नाम का भी एक स्टूडेंट था जो कुशल वैद्य बनने के लिए हमेशा कोशिश करता रहता था। इसी के चलते उसका ज्ञान दिन दूना-रात चौगुना बढ़ने लगा।

उसकी प्रवीणता को देखकर अत्रेय के अन्य शिष्य उससे जलने लगे। सात वर्ष की कड़ी मेहनत के बाद जीवाका सहित दूसरे स्टूडेंट्स का कोर्स पूरा हो गया तो अत्रेय ने परीक्षा की ठानी। उन्होंने अपने शिष्यों को बुलाकर कहा, ‘मुझे एक ऐसा पौधा चाहिए जिसका उपयोग इलाज में नहीं होता।’ यह सुनते ही सभी शिष्य पौधे की तलाश में निकल पड़े। थोड़े ही दिनों में सब अपने-अपने पौधे के साथ वापस आ गए। लेकिन जीवाका छह महीने तक जंगल-जंगल पौधों को तलाशता, उनसे रसायन बनाता और उससे संबंधित पीड़ा वाले मरीजों पर उन रसायनों का प्रयोग करता। छह महीने की कड़ी मेहनत के बाद भी उसे ऐसा एक भी पौधा नहीं मिला जिसका उपयोग रसायन बनाने और किसी न किसी तरह की शारीरिक पीड़ा खत्म करने में न होता हो।

अंत में निराश होकर वह अत्रेय के पास अपनी असफलता मानने के लिए पहुंचा और बोला, ‘गुरुजी, मुझे क्षमा करें क्योंकि मैं आपका आदेश पूरा नहीं कर सका।’ सभी शिष्यों के चेहरे पर खुशी झलक रही थी, लेकिन जीवाका उदास था। इस पर अत्रेय मुस्कुराए और बोले, ‘जीवाका, तुम पूरे नंबर से पास हुए। जाओ, अपने ज्ञान का उपयोग लोगों की पीड़ा हरने में करो।’ यही जीवाका आगे जाकर बिंबसार व भगवान बुद्ध का वैद्य बना और उसने कभी किसी बीमार को निराश नहीं किया।

संकलन : हरिप्रसाद राय

बुजुर्गों व गुरुजनों का करें सम्मान : सूरजभान

गांव मिर्जापुर में समाज के लोगों ने सूरजभान नरवाल का किया स्वागत

छाया : राजरानी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र । श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सूरजभान नरवाल ने कहा कि बुजुर्गों और गुरुजनों का सम्मान करें तभी हम आगे बढ़ सकते हैं। बिना गुरु के आशीर्वाद और बुजुर्गों के स्नेह के बिना हम सबका जीवन अधूरा है। इसलिए हम सबका दायित्व बनता है कि हम गुरु और बुजुर्गों को अपना आदर्श मानें और उनकी सेवा करें। वे गांव मिर्जापुर में समाज के लोगों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व गांव में पहुंचने पर डेलीगेटस संजीव, रामकुमार, कृष्ण चंद, जयभगवान, गजे सिंह, लक्ष्मण, प्रदीप, सुभाष ढांडे, विकास, बचना, पाला राम, सतपाल, राहुल, रघुबीर, शिव कुमार, दर्शन, सुरजीत, कर्मबीर व राजबीर ने सूरजभान नरवाल का फूलमालाओं के साथ स्वागत किया।

सूरजभान नरवाल ने कहा कि अनुसूचित जाति समाज पिछड़ा हुआ समाज है। आर्थिक तंगी के चलते समाज के कई लोग अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे पाते। इसलिए हमें सब कठिनाइयों को झेलते हुए अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाएं और उन्हें संस्कारवान बनाएं। उन्होंने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करें। युवा नशे से दूर रहें। इस मौके पर धर्म सिंह क्रांति ,उपाध्यक्ष अशोक सुनेहड़ी, मास्टर गुरनाम, प्रवीण पठानिया, रामनिवास मोहडी मौजूद रहे।

धर्मगुरु संत निरंजन दास महाराज को धमकी दिए जाने से रविदासिया समाज आक्रोशित

रविदास समाज के लोगों ने धर्मगुरु को धमकी दिए जाने के विरोध में अंबेडकर चौक पर किया प्रदर्शन

प्रदर्शन के दौरान सड़क पर लगाया जाम, प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने की सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी

मांग, धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर की जाए कठोर कार्रवाई, धर्मगुरु की बढाई जाए सुरक्षा

छाया : राजरानी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र । धर्मगुरु संत निरंजन दास महाराज को स्पेन में धर्म प्रचार के दौरान दी गई धमकी से रविदासिया समाज के लोग आक्रोशित हैं। गुस्साए रविदासिया समाज के लोगों ने धर्मगुरु संत निरंजन दास महाराज को धमकी दिए जाने के विरोध में रविवार को अंबेडकर चौक पर धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रही। इस दौरान रविदासिया समाज ने रोष पूर्वक कुछ देर के लिए सड़क पर जाम भी लगाया। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि धर्म गुरु संत निरंजन दास को धमकी देने वाले आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। संत निरजन दास जी महाराज की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाए।

धरना प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सूरजभान नरवाल ने कहा कि धर्म गुरु संत निरंजन दास महाराज पर विदेश में स्पेन में धर्म प्रचार के दौरान दी गई जान से मारने की धमकी ओछी मानसिकता का उदाहरण है। जिस व्यक्ति ने भी संत निरंजन दास जी महाराज को जान से मारने की धमकी दी है, वह निंदनीय है। ऐसे व्यक्ति के खिलाफ सरकार को तुरंत गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने संत निरजन दास महाराज की सुरक्षा को मजबूत करने की मांग की, ताकि भविष्य में उनके साथ कोई अनहोनी न हो। बहुजन प्रवक्ता रामनिवास मोहड़ी ने धर्मगुरु को धमकी दिए जाने की निंदा की और सरकार पर आरोप लगाया कि वे धर्मगुरुओं की सुरक्षा करने में विफल हो रही है। सरकार की जिम्मेवारी धर्मगुरुओं की सुरक्षा करना है। उन्होंने सरकार से मांग की कि आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

तकरीबन आधा घंटा तक रविदासिया समाज के लोगों ने अंबेडकर चौक पर रोष प्रकट किया। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे जब तक धर्मगुरु संत निरंजन दास महाराज के को धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा रविदासिया समाज के लोग चैन से नहीं बैठेंगे। बल्कि सड़क पर उतर कर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। इस मौके पर श्री गुरु रविदास मंदिर धर्मशाला सभा के कई पदाधिकारी सहित रामसरण, नफे सिंह, जोगिन्द्रो देवी, मांगे राम, रामफल, मान सिंह, महिंद्र सिंह, जोगिंद्र सिंह, धर्मसिंह, वीरेंद्र, सरबती, माया देवी, फूलकली, संतरों, बाला देवी, सत्या देवी, बिमला सहित भारी संख्या में श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

भारत के विभिन्न राज्यों के संपादकों की महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली में आयोजित हुई

अखिल भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति संपादक संघ के गठन की प्रक्रिया आरंभ

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

नई दिल्ली । पूरे देश में अभी तक असंगठित रहे अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के पत्रकार संपादक एवं प्रकाशकों ने 27 अगस्त 2022 को नई दिल्ली के रोहिणी स्थित स्टार सवेरा समाचार पत्र के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें कि राजस्थान,पंजाब,हरियाणा,उत्तर प्रदेश, दिल्ली एवं मध्य प्रदेश आदि राज्यों से दैनिक, मासिक, पाक्षिक, साप्ताहिक समाचार पत्र निकालने वाले संपादकों एवं प्रकाशकों ने इस बैठक में भाग लिया और सर्वसम्मति से दैनिक स्टार सवेरा के संपादक एवं प्रकाशक बलवान सिंह बाबियान को राष्ट्रीय अध्यक्ष, सत्यपाल धम्मदीप को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विनोद गौतम संपादक कल का सम्राट राजस्थान को महासचिव एवं कोषाध्यक्ष के रूप में गजब हरियाणा के प्रकाशक संपादक जरनैल सिंह रंगा, प्रदीप नागर शौर्य टाईम्स मध्यप्रदेश को संगठन सचिव, गुसाईंयां मासिक पत्रिका पंजाब के सम्पादक दर्शन सिंह बाजवा को एडिटर व राजपाल दिल्ली को विधि सलाहकार के रूप में सर्व सहमति से मनोनीत किया जिसमें ओमवीर को सचिव बनाने पर भी सहमति बनी। गौरतलब है कि पूरे भारत देश में अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के प्रकाशकों संपादकों का राष्ट्रीय स्तर पर कोई भी संगठन नहीं है जिसके अभाव में देशभर के संपादक अपने आप को बेहद कमजोर और अनाथ जैसा महसूस कर रहे थे उसी को ध्यान में रखते हुए एक राष्ट्रीय स्तर के संगठन के निर्माण की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है बाइलॉज बनाने के साथ-साथ संस्था एवं संगठन के आगामी कार्यकलापों दिशानिर्देशों के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष बलवान सिंह बाबियान के साथ-साथ नवगठित कार्यकारिणी को भी अधिकृत किया गया है।

शीघ्र ही संस्था संगठन के गठन की कार्यवाही पूर्ण होने के पश्चात एक और महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली में ही आयोजित की जाएगी जिसमें कि बाकी बचे राज्य जैसे गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश,असम, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर आदि हिंदी भाषी राज्य के पत्रकार संपादक एवं प्रकाशकों को भी शामिल किया जाएगा एवं संस्था की कार्यकारिणी को पूर्ण रूप दिए जाने हेतु यह मीटिंग अत्यंत महत्वपूर्ण होने वाली है। इस अवसर पर बेगम शहर पत्रिका के संपादक जोगिंद्र सिंह बलमगढ़ पंजाब, चेक पोस्ट समाचार पत्र के संपादक रंजीत कलसी पंजाब, राजकुमार जाटव बीएन न्यूज देवबंद उत्तरप्रदेश,रविकांत चमार संपादक द सोशल लाईट समाचार पत्र दिल्ली, अशोक प्रेमी मुख्य संपादक हकदार समाचार पत्र बीकानेर राजस्थान, आर.सी सिंह चेक पोस्ट ब्यूरो लुधियाना पंजाब, देवेश कुमार हरियाणा मौजूद रहे।

मन आत्मा का बिगड़ैल बेटा और विकृत स्वरूप है : स्वामी ज्ञाननाथ

मन की त्रिगुणात्मक माया संसार में बाहमुखि कर देती है : महामंडलेश्वर

अखिल ब्रह्मांड का बीज और मूल आधार सिर्फ और सिर्फ अंर्तमुखि होकर ही जाना जा सकता है : एडवोकेट स्वामी ज्ञाननाथ

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

नारायणगढ़/अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा कि चंचल-चपल और चलायमान मन हमेशा मनुष्य के साथ रहता है और मनुष्य की प्रवृति के अनुसार अच्छा या बुरा सोचता ही रहता है। संत महापुरूषों ने मन की तुलना नटखट बंदर से की है। मन को समुद्र की तरह भी बताया है। जैसे समुद्र में हर पल लहरे उठती रहती हैं ठीक इसी प्रकार से मन के अंदर भी हर पल अनेकों तरंगे और फुरणाएं उठती रहती हैं। मन आत्मा का बिगड़ैल बेटा और विकृत स्वरूप है। मन पारे की तरह है जैसे पारा अगर एक बार जमीन पर गिर जाए तो इकट्ठा करना बहुत ही मुश्किल होता है ठीक इसी प्रकार से चंहूओर बिखरा हुआ मन भी एक स्थान पर एकाग्र करना आसान नही है। मन की त्रिगुणात्मक माया संसार में बाहमुखि कर देती है। संसार की तरफ खींचती है और नित्यप्रति ध्यान करने से साधक अंर्तमुखि हो देता है। बाहरमुखि होकर तरह-2 के क्रियाक्लापों से जड़ चीजों में परमात्मा को खोजने का जुनून मनुष्य को प्रियतम पिता परमात्मा के नजदीक ले जाने की बजाए कोसों दूर ले जाता है। जब साधक सुरत-शब्द योग, दिव्यज्योति नाद योग के माध्यम से साधना-अराधना करता हुआ ब्रह्मज्ञान एवं विवेक का सहारा लेकर जीव और शिव, मैं और तू, साकार और निराकार, बंधन और मुक्त, अपने और परमात्मा के बीच अपना आप, मैं का पर्दा हटा देता है। ऐसे ज्ञानवान महापुरूष को आर-पार, यहां-वहां, दांय-बांय, आगे-पिछे, उपर-नीचे, पूर्व से पश्चिम, उतर से दक्षिण, पाताल से आकाश और इससे भी आगे सृष्टि के कण-कण में इस रोम-रोम में रसे-बसे जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार परमात्मा का मात्र पलभर में खुली आंखों से प्रत्यक्ष में दर्शन दीदार हो जाता है। अखिल ब्रह्मांड का बीज और मूल आधार सिर्फ और सिर्फ अंर्तमुखि होकर ही जाना जा सकता है क्योंकि बीज और सार तो अंदर है बाहर तो सिर्फ पसारा है। हैरानी की बात है कि जितनी कल्पनाएं और धारणाएं मनुष्य ने परमात्मा के बारे में की हैं शायद संसार की किसी दूसरी चीज के बारे में नही की होंगी। बस ऐसे ही अज्ञानता अंधविश्वास बढ़ता चला गया और मनुष्य असलियत से कोसों दूर होता चला गया। निजस्वरूप आत्मा के ज्ञान-ध्यान एवं बोध के बिना मनुष्य असत्य को सत्य और सत्य को असत्य मानने लगा। अखिल ब्रह्मांड का बीज तो अंर्तमुखि होकर नित्यप्रति अभ्यास करने से ही जाना-पहचाना जा सकता है। जब जीव संसार की भाग-दौड़ से उब जाता है तो यह सोचने पर मजबूर हो जाता है आखिर ऐसा क्यों और वैसा क्यों। अगर ब्रह्मज्ञान और विवेक की दृष्टि से देखा जाए तो यही निष्कर्ष निकलता है कि मन में अनेकों सांसारिक इच्छाएं, कामनाएं, तृष्णाएं, मोह, लोभ-लालच, विषय-विकारों की लोलुपता, इर्ष्या-द्वेष, वैर-कदुरत, नफरत खचाखच भरी पड़ी है जो इस ओत-प्रोत जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार परमात्म की ओर नही जाने देती। सांसारिक इच्छाओं-कामनाओं से लेपायमान चित, रिश्ते-नातों के मोहपाश में उलझा हुआ जीव वास्तव में तो 1या सपने में भी परमात्मा का सिमरण-ध्यान नही कर सकता। ऐसे संसारी जीव का अथक प्रयास भी निष्फल हो जाता है और वह अंतत: हाथ मलता रह जाता है और फिर पिछे से पछताता है जब सुनेहरी मौका हाथ से निकल जाता है।

डायल 112 से सहायता मांगने पर हुआ मामला दर्ज न्याय के लिए दर-दर भटकती महिला

महिला ने एक पुलिसकर्मी पर नशे में धुत होकर बदसलूकी करने का लगाया आरोप

पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मी का मेडिकल करवाने की कही बात

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । न्याय के लिए दर-दर भटकती एक महिला को सहायता मांगने के नाम पर पुलिस ने न्याय देने के स्थान पर उसे जबरन घर से उठाकर थाने में ले जाकर मामला ही दर्ज कर डाला। महिला का कसूर इतना था कि उसने डायल 112 नंबर पर किसी के माध्यम से सहायता मांगी थी कि उसे कुछ लोग जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने डराने धमकाने व जान से मारने की धमकी देने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के स्थान पर महिला को ही जबरन उठाकर थाने में ले गए और उसके ऊपर ही मामला दर्ज कर डाला। महिला ने फोन करके बताया कि मौके पर पहुंचे एक पुलिसकर्मी ने शराब पी रखी थी और उसके साथ बदसलूकी भी की। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मी का मेडिकल करवाकर कार्रवाई करने की बात कही है। फिलहाल इस मामले में पुलिस मुख्य आरोपी को बचाने के लिए पीड़ित महिला को टॉर्चर किया जा रहा है। इस मामले में सदर थाना पीपली एसएचओ ने भी पीड़ित महिला को न्याय देने की बात को स्पष्ट करते हुए गोलमोल ही कर दिया। पीड़ित महिला को अंतिम उम्मीद पुलिस अधीक्षक से लगी हुई है कि पुलिस अधीक्षक उसे नए अवश्य दिलाएंगे और इस मामले में सभी दोषियों को जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल है उनके खिलाफ कार्रवाई करके जरूर सजा देंगे। हालांकि पुलिस देर शाम तक पीड़ित महिला को इधर-उधर घुमाते रहे। देर शाम तक महिला पुलिस कस्टडी में ही रही। महिला ने अपने बैग से पैसे चोरी होने की बात भी कही है।

पीड़ित महिला ने बयान की अपने दर्द की दास्तान

पीड़ित महिला ने बताया कि पंचायत विभाग में कार्यरत एक जे.ई. ने उसकी जिंदगी बर्बाद कर डाली है। पंचायत विभाग के जे.ई. ने कुछ साल पहले उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ पति-पत्नी वाला रिश्ता बनाया। लंबे समय तक वह उसे लेकर किराए के मकान में रहता रहा। कुछ समय बाद बार-बार कहने के बाद उसने शादी भी रचा ली। इसके बाद उसे पता चला कि जेई ने पहले भी शादी कर रखी है जिससे उसके बच्चे हैं। खुलासा होने के बाद यही ने कहा कि वह उसे एक नया मकान खरीद कर देगा जिसमें वह अपनी मर्जी से रह सकती है। जिसमें किसी की दखलंदाजी नहीं होगी। कुछ समय तक तो सब कुछ ठीक रहा लेकिन थोड़े ही समय बाद जेई की पहली पत्नी व उसकी लड़कियां उसे परेशान करने लगी। यहां तक कि उसके साथ गाली गलौज और मारपीट भी करने लगी। जय भी अक्सर दारू के नशे में धुत होकर उसके साथ अमानवीय तरीके से शारीरिक शोषण करता और मार पिटाई करता। इसकी शिकायत उसने पुलिस को दी थी और इस मामले में जेई कुछ समय अंदर भी रह कर आया। जेल से बाहर आने के बाद जी ने समझौता करने के लिए चाल चली और उसके साथ प्यार से पेश आने लगा और कहने लगा कि मैं तुम्हें नया घर ले कर दे दूंगा तुम कोर्ट में समझौते के दस्तावेजों पर साइन कर दो। पीड़ित महिला ने कहा कि उसने बातों में आकर समझौते के दस्तावेजों पर साइन कर दिए। अगले दिन से ही उसके पति जेई ने अपना असली रूप दिखाना शुरू कर दिया और उसे फिर से मारपीट करने लगा। इसके बाद वह दर दर भटकते हुए सर छुपाने के लिए अपने पति के घर पहुंच गई जिसमें वह अपनी पहली पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। उसने घर में प्रवेश पुलिस व मीडिया की मौजूदगी में किया था। यहां पर उसके पति की पहली पत्नी उसकी बेटियों ने उसके साथ मारपीट आई करना शुरू कर दिया और कुछ लोगों को बाहर से भी बुला लिया। थोड़ी देर बाद पांच पुलिसकर्मी जिनमें से एक महिला पुलिसकर्मी थी उसको डराने धमकाने के लिए उसके पति के घर पर पहुंच गए करीब डेढ़ से 2 घंटे तक यह पांचो पुलिसकर्मी उस पर घर से निकल जाने का दबाव बनाते रहे। अगले दिन के लोगों ने कुछ देसी कट्टाधारी बदमाशों को घर पर बुला लिया और उसको घर से निकल जाने के लिए जान से मारने की धमकी देते हुए गाली गलौज करने लगे। इसके बाद कृष्ण व सरोज पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी कृष्ण ने शराब पी रखी थी और वह उसके साथ गलत तरीके से पेश आ रहा था। महिला पुलिसकर्मी की मौजूदगी में पुलिसकर्मी कृष्ण कुमार ने उसकी छाती पर हाथ डालते हुए उसे घसीटते हुए थाने ले गया और वहां पर ले जाकर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर डाला। महिला ने रोते हुए कहा कि उसकी अंतिम मास पुलिस अधीक्षक है वह जरूर न्याय करेंगे। महिला ने काकी उसकी इज्जत पर हाथ डालने वाले पुलिसकर्मी कृष्ण कुमार महिला पुलिसकर्मी सरोज सेक्टर 5 चौकी इंचार्ज उसके पति जेई उसकी पत्नी माया देवी उसकी बेटियों के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने बदसलूकी करने का मामला दर्ज कर कारवाई की जाए। समाचार लिखे जाने तक देर सहायता मैं तो पुलिस कर्मी का मेडिकल करवाया गया था और न ही पीड़ित महिला की कोई सुनवाई हो पाई थी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा मामले की करवाएंगे जांच

पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र से जब इस बारे में बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि संबंधित पुलिस कर्मी का मेडिकल करवाया जाएगा। ड्यूटी पर शराब पीने की पुष्टि होने पर पुलिस कर्मी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और इस पूरे मामले की जानकारी लेकर पीड़ित महिला को न्याय दिलाने की दिशा में कार्यवाही की जाएगी।

मोबाइल मेडिकल वैन में गांव सिरसमा के लगभग 76 लोगों के ब्लड सैम्पल लेकर की गई जांच

लाडवा हल्के को संदीप गर्ग जैसे व्यक्ति की ही जरूरत है : प्रगट सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली। स्टालवार्ट फाउंडेशन द्वारा 15 अगस्त से लाडवा हल्के के लोगों के लिए चलाई गई मोबाइल मेडिकल वैन से शनिवार को लाडवा हल्के के पिपली ब्लाक के गांव सिरसमा में लगभग 76 लोगों के ब्लड सैंपल की जांच की गई।

ग्रामीण प्रगट सिंह ने बताया कि समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा जो लाडवा हल्के के लोगों को यह मोबाइल मेडिकल वैन की सुविधा दी है। उस कार्य की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा कि संदीप गर्ग द्वारा हल्के में अनेक कार्या करवाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि समाजसेवी संदीप गर्ग ने जो मेडिकल वैन दी है। जिसमें लोगों के अनेक प्रकार के टेस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग पीड़ित हैं, जिनको अपने शरीर की अनेक प्रकार की बीमारियों की जांच करवानी होती है उनको महंगे दामों में वह जांच करवानी पड़ती थी। वहीं उन्होंने कहा कि मेडिकल वैन में मात्र 50 रूपए में ब्लड टैस्ट, लीवर टैस्ट, शुगर टैस्ट, ब्लड प्रैशर टैस्ट, ईसीजी, किडनी टैस्ट आदि टैस्ट किये जाते हैं। वहीं इससे पूर्व गांव सिरसमा में शनिवार को लगभग 76 ग्रामीणों के टैस्ट किये गए और मौके पर ही रिपोर्ट देकर उनको उनकी बीमारी के बारे में बताया गया। इस मौके पर राजपाल, कर्म सिंह, मनोज, सूरजभान, जयपाल, श्रीनिवास, चन्द्रभान, धर्मबीर, रजनीश, मनीष अजय, सोहन, करनैलो, सविता शर्मा, जगदीश कौर, रीना देवी, संतोष देवी, रेखा देवी, ममता, लक्ष्मी, पुष्पा, बिमला, मूर्ति, कैलाशो आदि मौजूद थे।

स्वच्छता कर्मी व शहर वासियों द्वारा मिलकर स्वच्छता अभियान में सहयोग करने से ही अपने शहर की दशा बदली जा सकती है : डॉ कौशिक

गजब हरियाणा न्यूज/अमित

घरौंडा । नगर पालिका घरौंडा द्वारा गुरुवार को स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में साफ सिटी सेफ सिटी व हमारा लक्ष्य कचरा मुक्त शहर को लेकर कार्यक्रम किया गया

जिसमें घरौंडा शहर के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर डॉ प्रवीण कौशिक ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। क्लर्क सुखविंद्र सिंह, मोटिवेटर रेनू भूषण व लाइब्रेरियन सन्दीप लोहट विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर डॉ प्रवीण कौशिक ने लाइब्रेरी पाठकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता कर्मी व शहर वासियों द्वारा मिलकर स्वच्छता अभियान में सहयोग करने से ही अपने शहर की दशा बदली जा सकती है। मेरा मानना है कि समाज मे बड़ा बदलाव तभी हो सकता है जब हम सभी मिलकर छोटे-छोटे योगदान स्वयं करें। आप सभी युवाओं ने स्वच्छता के इस मिशन को प्रेरणा के रूप में लेना चाहिए जो सबके लिए एक मिसाल बने। उन्होंने कहा कि जैसे ही हम एक दिन जाकर शहर की कॉलोनी को साफ करेंगे स्वत: अगले दिन कॉलोनी व स्थानीय लोगों में साफ-सफाई और स्वच्छता के प्रति प्रेरणा जगेगी।

लाइब्रेरी के पाठक नीरज व विशाल ने सिंगल यूज प्लास्टिक से बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण लगाने और वातावरण का स्वच्छ रखने के उद्देश्य से सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाने की बात कहीं।

उसका जवाब देते हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लाइब्रेरियन सन्दीप लोहट ने बताया कि सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि सरकार एवं एनजीटी द्वारा प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट नियम, 2016 को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए लाइब्रेरी पाठकों से सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचने के लिए कपड़े का थैला या अन्य विकल्प अपनाने की अपील भी की।

स्वच्छता अभियान के मोटिवेटर रेनू भूषण ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन केंद्र की मोदी सरकार और हरियाणा की मनोहर लाल सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसको सफल बनाने के लिए नगर पालिका घरौंडा सचिव रवि प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर पालिका गंभीरता से प्रयास कर रही है, लेकिन यह प्रयास तभी सफल होंगे जब हम सब मिलकर इस अभियान के साथ जुड़ेंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचने के लिए कपड़े के थैले का प्रयोग करना चाहिए।

जनता ने हलके की कमान सौंपी तो बाबैन में बनेगा मल्टीपल खेल स्टेडियम: संदीप गर्ग

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन । स्टालवॉट फाउडेशन के चेयरमैन व समाजसेवी संदीप गर्ग ने देश व प्रदेश के खिलाड़ी ओलंपिक व अन्य खेलों में पदक जीतकर खिलाड़ी देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे है । संदीप गर्ग बाबैन के देवगन लिटल चैंप कानवेंट स्कूल में खिलाडीयों से रूबरू होने के उपंरात पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। संदीप गर्ग ने कहा कि अगर लाडवा की जनता ने उन्हें कमान सौंपी तो इस क्षेत्र में मल्टीपल खेल स्टेडियम का निर्माण करवाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि ऐसे स्टेडियम का निर्माण करवाया जाएगा जहां से प्रशिक्षण लेकर खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की तरह देश के गौरव के लिए खेलेंगे और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर लाडवा विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने उन्हें मौका दिया तो बेटियों को खेलों में आगे लाने के लिए अलग से खेल स्टेडियम का बनवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर हरियाणा प्रांत के अन्य हिस्सों की बेटियां ओलपिंक व वर्ल्ड कप में पदक ला सकती है तो बाबैन की बेटियां भी देश का नाम चमका सकती है। इसलिए जो बेटी होनहार व मेधावी है उसकी प्रतिभा को आर्थिक कमी से नहीं पिछडने दिया जाएगा। संदीप गर्ग ने कहा कि मेरी सोच है कि हरियाणा के ग्रामीण परिवेश में रहने वाली बेटियां भी राजनीति, खेल व शिक्षा में आगे आएं इसलिए उनके दिशा निर्देशों पर बेटियों का सम्मान बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इस मौके पर स्कूल के चेयरमैन डा. दीपक देवगन व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

धर्मगुरु निरंजन दास महाराज को जान से मारने की धमकी देने पर समाज के लोगों में रोष

समाज के लोगों ने विरोध में लघु सचिवालय पर किया प्रदर्शन, राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

छाया : राजरानी

कुरुक्षेत्र । धर्मगुरु निरंजन दास महाराज को विदेश इटली में जान से मारने की धमकी देने को लेकर रविदासिया समाज में रोष है। समाज के लोगों ने शनिवार को लघु सचिवालय में रोष प्रकट किया। समाज के लोगों ने राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान समाज के लोगों ने मांग की कि धर्म गुरु निरंजन दास महाराज को धमकी देने वाले आरोपी को पहचान कर उसे सख्त सजा दी जाए और धर्मगुरु निरंजन दास महाराज की सुरक्षा को बढ़ाया जाए। समाज के लोगों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने धर्मगुरु को जान से मारने वाले आरोपी की पहचान कर उसे सजा नहीं दी गई तो यह समाज सड़कों पर उतरेगा और और उसकी जिम्मेवारी सरकार व प्रशासन की होगी।

लोगों को संबोधित करते हुए बेगम टाइगर फोर्स के संरक्षक धर्म सिंह क्रांति, सुशीला तंवर, संतोष, अशोक सुनहेड़ी खालसा व सुनील ने संबोधित करते हुए कहा कि धर्म गुरु निरंजन दास महाराज आजकल विदेश के दौरे पर धर्म प्रचार कर रहे हैं। इटली में धर्म प्रचार के दौरान गुरु को चिट्ठी के माध्यम से जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने कहा कि जातिवाद मानसिकता रखने वाले लोगों ने पहले विदेश में संत रामानंद को गोली मारी थी और अब निरंजन दास महाराज को जान से मारने की धमकी दी गई है। सरकार व प्रशासन को चाहिए कि वे धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार करे। अगर ऐसा नहीं किया गया तो समाज के लोग सड़कों पर उतरेंगे। इसके लिए सरकार व प्रशासन जिम्मेदार होगी। समाज धर्म गुरुओं के लिए कोई भी कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं। इस मौके पर जगदीश कठवा, संजीव अंबेडकर, नरेंद्र पाटिल, राजकुमार अजराना, रोशन लाल आदि मौजूद रहे।

लड़का-लड़की में भेद करना कुंठित मानसिकता का परिचय : संजीव

कहा : बेटियों को समान अवसर प्रदान किए जाएं तो वे हर क्षेत्र में अपनी क्षमता से अधिक योगदान देती हैं

लिंगानुपात सुधार के लिए जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धुमसी

करनाल । जिला आशा कोर्डिनेटर संजीव ने कहा कि आज के समय में बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं हैं। लड़का-लड़की में भेद करना कुंठित मानसिकता का परिचय है। बेटियों को समान अवसर प्रदान किए जाएं तो वे हर क्षेत्र में अपनी क्षमता से अधिक योगदान देती हैं। यदि हम बेटी को शिक्षित करते हैं तो उससे दो परिवार शिक्षित होते हैं। वे सोमवार को इंद्री के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आशा वर्करों को पीसीपीएनडीटी एक्ट की अनुपालना सुनिश्चित करने संबंधी दिशा-निर्देश दिए की जानकारी दे रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने आशा वर्करों को शपथ दिलाते हुए लिंगानुपात में सुधार के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने का आह्वान किया। उन्होंने आशा वर्करों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके क्षेत्र में कहीं भी लिंग जांच की सूचना मिलती है तो इसकी जानकारी अविलम्ब प्रशासन के साथ सांझा करें। जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जाता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में बेटे और बेटी में कोई फर्क नहीं है। बेटियां भी आसमान छूं रही है, जरूरत है तो केवल उन्हें अवसर देने की। बेटियों को भी बेटों के सामान पढने और आगे बढने के अवसर मिलने चाहिए। इसी में सशक्त समाज का मंत्र निहित है। बेटियों के पढने से दो घरों से अनपढ़ता का अंधकार दूर होता है। इस मौके पर एसएमओ डा. किरण गिरधर, ब्लॉक आशा कोर्डिनेटर विपिन, टीबी सुपरवाईजर रजनेश सहित आशा वर्कर उपस्थित रही।

सरकारी स्कूलों को बंद कर गरीब बच्चों का भविष्य खराब कर रही है सरकार : सुरेंद्र सैनी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कांग्रेस पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला प्रधान सुरेंद्र सैनी भिवानी खेड़ा ने कहा है कि प्रदेश सरकार सरकारी स्कूलों को बंद कर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का काम कर रही है। वहीं स्कूलों को प्राइवेट हाथों में सौंपने की साजिश रच रही है। सरकार की इस साजिश के चलते सबसे ज्यादा नुकसान गरीब बच्चों को उठाना पड़ रहा है, क्योंकि गरीबों के अधिकतर बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। गरीब बच्चे प्राइवेट स्कूलों की मोटी फीस नहीं चुका पाते। ऐसे में सरकारी स्कूल गरीब बच्चों के लिए लाभदायक माने जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चिराग योजना के तहत स्कूलों को मर्ज कर के अध्यापकों के पद समाप्त कर रही है। ऐसे में प्रदेश में 20 से 25 हजार टीचरों के पद समाप्त हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने अपने फैसलों को वापस नहीं लिया तो प्रदेश में शिक्षा का भट्ठा बैठ जाएगा। प्राइवेट स्कूलों में गरीब बच्चे मोटी फीस नहीं दे पाएंगे। इसलिए सरकार को इस योजना को बंद कर स्कूलों में अध्यापकों को तैनात करें। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा ठीक नहीं लगती क्योंकि जिस तरीके से प्रदेश में पिछले सालों में 300 से अधिक सरकारी स्कूल बंद किए जा चुके हैं और अब सरकार ने 105 सरकारी स्कूलों को बंद करने का फैसला लिया है, जो गरीब बच्चों के हितों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अगर वास्तव में सरकार गरीब की हितैषी है तो सरकारी स्कूलों को बंद करने की योजना पर रोक लगाई जाए, ताकि गरीब बच्चों का भविष्य बन सके। इस मौके पर श्री गुरु रविदास मंदिर सभा के प्रधान सूरजभान नरवाल तथा कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छाया : राजरानी

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते कांग्रेस पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला प्रधान सुरेंद्र सैनी भिवानी खेड़ा

राज्य सभा चुनावों में क्रास वोटिग की बात कर कांग्रेस को कमजोर कर रहे हैं कुछ नेता: किरण चौधरी

सड़े गले विश्वासघाती नेताओं को सबक सिखाएगी जनता

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धुमसी

करनाल । कांग्रेस विधायक दल की नेता तथा पूर्व मंत्री श्रीमती किरण चौधरी ने कहा कि करनाल की धरती से कांग्रेस कार्यकर्ता के द्वार अभियान की शुरूआत की हैं। इस अभियान के तहत वह सौ से अधिक कार्यकर्ताओं के दरवाजे पर दस्तक देंगी। इसके माध्यम से कांग्रेस के अधिक से अधिक कारर्यकर्तओं के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बार बार राज्यसभा के चुनावों में क्रास वोटिंग में उनकी भूमिका पर जो उन पर सवाल खड़े कर रहे हैं। वहकांग्रेस को कमजोर कर रहे हैं। यदि वह बात कहेंगी तो यह बात दूर तलक तक जाएगी। कांग्रेस का आलाकमान उन काली भेडों को जानता है जो खाते कांग्रेस की है बजाते दूसरों की है। इन सड़े गले नेताओं का इलाज जनता करेगी। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बंसी लाल की पुत्रबधु तथा जन प्रिय कांग्रेस नेता स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह की पत्नी पूर्व मंत्री तथा पांच बार भिवानी से और मौजूदा विधायक श्रीमती किरण चौधरी आज करनाल पहुंची। उन्होंने मंगल सैन आडीटोरियम में पत्रकारों से बात की। उनका स्वागत सैकड़ों कांग्रेस वर्करों ने किया। उन्हें शोभा यात्रा के रूप में स्थल तक ले जाया गया। उनके साथ पूर्व ग्रह मंत्री भारतभूषण बत्रा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता मतलौडा, कांग्रेस के एआईसीसी के सदस्य पंकज पूनिया, जयपाल मान, बलवान सैन, काग्रेस के प्रवक्ता जोगिंदर वाल्मीकि मौजूद थे। इस कार्यक्रम का आयोजन एआईसीसी के सदस्य पंकज पूनिया ने कियाज पूर्व मंत्री किरण चौधरी ने कहा कि यदि क्रास वोटिंग की बात की जाए। तो 2004 में वह एक बोट के राज्यसभा का चुनाव हारी। वह बोट अयोग्य हआ। 2016 में स्याही कांड का जिम्मेदार कौन हैं। अब के चुनावों में क्रास वोटिंग को लेकर उन पर सवाल खडे किए जा रहे हैं। जब कि पब्लिक जानती है कि कौन कांग्रेस को अपने कुनबे और स्वार्थ की खातिर कमजोर कर रहा हैं। उन्होंने कहा कि वह वर्कर के दिलों में बसती हैं। वह लारे लप्पे नहीं लगाती हैं। उन्होंने कहा कि वह एक जगह कार्यक्रम कर वहां की भीड़ को दूसरी जगह उठाक र नहीं ले जाती हैं। वह अपने वर्कर के लिए समर्पित हैं। वह अब वर्करों के घर जाकर उन्हें जोड़ रही ळैं। वह करनाल में पचास वर्करों के घर चाय पीकर संवाद करेंगी। वह दस हजार तक वर्कर के घर दस्तक देंगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा से पांच हजार वर्कर दि ल्ली हल् ला बोल रैली में जाएंगे। इसके लावा इतने ही वर्कर भारत जोड़ों यात्रा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि गुलाम नवी आजाद को कांग्रेस ने वह सब कुछ दिया जिसके वह लायक भी नहीं थे लेकिन उन्होंनें कांग्रेस के साथ विश्वासघात किया। उन्होंने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी , राहुल गांधी उन पर भरोसा करती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नेताओं नहीं वर्करों की जरूरत हैं। वर्कर उनके साथ खड़ा हैं। उन्होंने कहा कि सोनली फोगाट की मौत के मामले की सीबीआई जांच होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वर्कर सीबीआई और ठंडी से नहीं डरता हैं। हम भाजपा के दमन का डट कर मुकाबला करेंगे। जनता के साथ मिलकेर मोदी और खटटर को बाहर का रास्ता दिखाएंगे। इस अवसर पर भूषण गुप्ता सुखराम बेदी जोगिदर वालीमकि , जयपाल मान, बलवान सैन, दिनेश सैन, दीपक गंजोगड़ी, प्रवेश पूनिया, ओम प्रकाश, परवीन, देवी राम, राजेश सैन, राजेन्द्र, डॉ. जय भगवान, प्रेम नम्बरदार, राम दास, विजेन्द्र खरब आदि उपसिथत थे।

पिपली में आप पार्टी पंचायती राज उत्तरी जोन के संयोजक प्रवीण चौधरी व कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं के साथ किया यात्रा का स्वागत

स्कूल बचाओ शिक्षा बचाओ पदयात्रा का पिपली पहुंचने पर आप कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

27 अगस्त को आप पार्टी के कार्यकर्ता सीएम आवास का घेराव करने के लिए चले थे गोहाना से पैदल

छाया : राजरानी

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली । आप पार्टी द्वारा गोहाना से निकाली गई स्कूल बचाओ शिक्षा बचाओ पदयात्रा का पिपली में पहुंचने पर आप पार्टी पंचायती राज उत्तरी जोन के संयोजक प्रवीण चौधरी, आप पार्टी उत्तरी जोन के उपाध्यक्ष विशाल खुबड़, आप पार्टी पंचायती राज के संगठन सचिव मान सिंह बचगावा, आप पार्टी पंचायती राज उत्तरी जोन के सचिव संजय चौधरी, मोनिका दीक्षित गोयल, बीर सिंह बिहोली, बलदेव कल्याण नवनीत सैनी, जिले सिंह सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

गोहाना से दो दिन पहले निकली स्कूल बचाओ शिक्षा बचाओ पदयात्रा सोमवार को पिपली पहुंची। जहां पर पहले से ही आप पार्टी के कार्यकर्ता यात्रा का स्वागत करने के लिए मौजूद थे। आप पार्टी के नेता शिव रंगीला, प्रदीप कुमार, नवीन राठी, अंकित, नरसिंह, राजबाला राठी, सिद्धार्थ, रामपाल व नवीन गौड़ की अगुवाई में निकली यात्रा का पिपली में स्वागत करते हुए आप पार्टी उत्तरी जोन के पंचायती संयोजक प्रवीण चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा ठीक नहीं है। सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल बंद होने से आप पार्टी के कार्यकर्ताओं का नुकसान नहीं बल्कि गरीब बच्चों का नुकसान हो रहा है। स्कूल बंद होने से गरीब बच्चों का भविष्य अंधकार में हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार को स्कूल बंद करने की बजाय स्कूलों में सुविधाएं देनी चाहिए। आप पार्टी प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों को बंद किए जाने के सरकारी निर्णय के खिलाफ है।

वहीं दूसरी ओर यात्रा लेकर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा का बंटाधार करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री अलग-अलग बयान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त को स्कूल बचाओ शिक्षा बचाओ पदयात्रा चंडीगढ़ में पहुंचेगी। जहां पर मुख्यमंत्री के आवास का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आह्वान किया कि वे उस दिन वहां पहुंचकर अपनी पूरी ताकत दिखाएं ताकि सरकार को अपना निर्णय वापस लेने पर बाध्य होना पड़े। इस मौके पर हरदीप ढिल्लो, यश, प्रमोद मित्तल, भीम सिह, डॉ. ईश्वर सिंह अमीन, फूल कुमार आदि मौजूद रहे।

बसवा का प्रतिभा सम्मान समारोह 11 सितम्बर को शाहबाद (मा.) में

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन भारत व बहुजन समाज वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में 11 सितंबर को शाहबाद मारकंडा में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा। बसवा के संस्थापक रोहतास मेहरा ने बताया कि यह सम्मान अम्बाला,पंचकूला, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर के 10 वीं व 12 वीं कक्षा में 80 प्रतिशत और यूजी व पीजी में 70 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके इलावा जिन छात्रों ने किसी भी प्रतियोगिता में पेपर पास किया हो या सरकारी नॉकरी प्राप्त की उनको भी सम्मानित किया जाएगा। रोहतास मेहरा ने बताया कि बसवा के गठन का मुख्य उद्देश्य बहुजन समाज के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना है। ताकि वे उच्च शिक्षा ग्रहण करके बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी व अन्य महापुरुषों की विचारधारा को आगे बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि बसवा टीम प्रदेश के सभी जिलों के साथ साथ गांव स्तर पर लाइब्रेरियां स्थापित कर रही है। गांवों में जो साथी लाईब्रेरीयों का संचालन कर रहे हैं बसवा टीम उन्हें भी सम्मानित करेगी।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN/2018/77311